द रेड स्टार न्यूज
को अनुभवी संवाददाता एवं प्रतिनीधि की आवश्यकता है, इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें
9987585870
vinod143singh@gmail.com

महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, दिल्ली में एक साथ प्रसारित...

द रेड स्टार न्यूज़

आपका अधिकार खबरों के रूप में

RNI. NO. MAHHIN/2010/35947 website : www.theredstarnews.com P.RN.NO.:THW/156/2018-2020

मानव अधिकार से संबंधित किसी भी समस्या के समाधान एवं सदस्यता ग्रहण करने के लिए संपर्क करें
मानवाधिकार फाउंडेशन
Mob.: 9987585870
Email: nhrf_india@yahoo.com

संपादक- विनोद कुमार सिंह वर्ष- 14 अंक- 29 सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त 14 जून से 20 जून 2023 पेज-8 ₹ 2/-

एआइ के खतरे से सावधान रहने की जरूरत

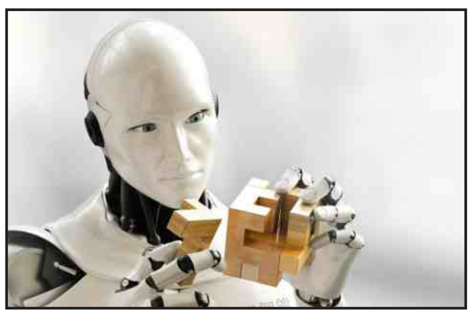

पणजी: आर्टिफिशिएल इंटेलीजेंस को लेकर वैश्विक स्तर पर पैदा हुई नई चिंताओं की झलक जी-20 के तहत आयोजित सुप्रीम आडिट इंस्टीट्यूशंस-20 (एसएआइ-20) बैठक में भी देखने को मिली। बैठक को संबोधित करते हुए भारत के सीएजी गिरीश चंद्र मुर्मु और जी-20 के लिए भारत के शेरपा अमिताभ कांत ने एआइ के खतरे से सावधान रहने को कहा। लेकिन इसके साथ ही आर्टिफिशिएल इंटेलीजेंस से जो अवसर पैदा होंगे, उसका फायदा उठाने की बात भी कही। सीएजी मुर्मु का कहना है कि नीति निर्धारकों को यह तय करना होगा कि एक जबावदेह एआइ को स्थापित करने की प्रक्रिया किस तरह से बनाई जाए। उन्होंने आडिट करने वाली सरकारी एजेंसियों को भी अपने काम-काज में एआइ के उपयोग करने को कहा। जी-20 में भारत के शेरपा अमिताभ कांत ने कहा कि भविष्य में हम दुनिया के समक्ष चुनौतियों का किस तरह से सामना करेंगे, यह इस बात पर निर्भर करेगा कि हम आर्टिफिशिएल इंटेलीजेंस का किस तरह से उपयोग करते हैं। एआइ में डाटा का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया जा रहा है। इसका आम जनता के जीवन में उपयोग बढ़ता जा रहा है। इनमें सकारात्मक व विध्वंसक दोनों तरह की क्षमताएं हैं। अभी उत्साह भी है और डर भी है। इसलिए, हमें एआइ की क्षमताओं की शीघ्रता से पहचान करनी होगी। सभी देशों को इस बारे में एक संतुलित सोच अपनानी होगी, ताकि एक तरफ विकास को लेकर इसकी संभावनाओं का फायदा उठाया जा सके तो दूसरी तरफ इसके खतरे को कम किया जा सके।

लिव-इन रिलेशनशिप

ऐसे जोड़े नहीं मांग सकते तलाक-हाईकोर्ट

तिरुवनंतपुरम, खंडपीठ ने आगे कहा कि सामाजिक संस्था के रुप में विवाह सामाजिक और नैतिक आदर्शों को दर्शाता है, जहां इनका पालन भी किया जाता है। कानून में भी इसे पुष्ट किया गया है और मान्यता दी गई है। वर्तमान में कानूनी रूप से लिव-इन रिलेशनशिप को विवाह का दर्जा नहीं दिया गया है। केरल हाईकोर्ट ने लिव-इन रिलेशनशिप में रहने वालों को लेकर अहम टिप्पणी की है। हाईकोर्ट ने कहा है कि इन संबंधों को शादी के रूप में मान्यता नहीं दी जा सकती। ऐसा कोई कानून भी नहीं बनाया गया है जो लिव इन रिलेशनशिप को विवाह के रूप में मान्यता देता हो। कोर्ट ने यह भी कहा कि अगर दो लोग केवल आपसी समझौते के आधार पर एक साथ रहते हैं तो इसका तात्पर्य यह नहीं है कि वे विवाह अधिनियम के दायरे में आते हैं। जस्टिस मुहम्मद मुश्ताक और जस्टिस सोफी थॉमस की खंडपीठ ने कहा कि ऐसे जोड़ों का साथ रहना विवाह होना नहीं है, ना ही इसमें तलाक की मांग की जा सकती है। खंडपीठ ने आगे कहा कि सामाजिक संस्था के रुप में विवाह सामाजिक और नैतिक आदर्शों को दर्शाता है, जहां इनका पालन भी किया जाता है। कानून में भी इसे पुष्ट किया गया है और मान्यता दी गई है। वर्तमान में कानूनी रूप से लिव-इन रिलेशनशिप को विवाह का दर्जा नहीं दिया गया है। कानून केवल तभी मान्यता देता है जब विवाह को व्यक्तिगत कानून के अनुसार या विवाह अधिनियम जैसे धर्मनिरपेक्ष कानून के अनुसार संपन्न किया जाता है। केरल हाई कोर्ट ने यह टिप्पणी लिव इन रिलेशनशिप में रहने वाले एक जोड़े की याचिका पर की है। याचिकाकर्ता कपल में एक हिंदू और दूसरा ईसाई है। उन दोनों ने साल 2006 में एक समझौते के आधार पर

पति-पत्नी के रूप में साथ में रहने का फैसला किया था। रिश्ते में साथ रहने के दौरान दोनों का एक बच्चा भी हुआ। अब वे दोनों अपने रिश्ते को खत्म करना चाहते हैं। इस बाबत दोनों ने फैमिली कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। हालांकि वहां से उन्हें निराशा हाथ लगी। फैमिली कोर्ट ने उन्हें तलाक देने से इनकार कर दिया। अदालत ने तर्क दिया कि उनका विवाह किसी अधिनियम के तहत नहीं हुआ था। ऐसे में वे तलाक की मांग नहीं कर सकते। इसके बाद दोनों ने केरल हाई कोर्ट का रुख किया था। इस याचिका पर सुनवाई करते हुए अदालत ने यह भी कहा है कि तलाक कानूनी शादी को तोड़ने का एक जरिया भर है। लिव इन रिलेशनशिप में रहने वालों को इस तरह की कोई मान्यता नहीं दी जा सकती।

यूसुफ बना अमित!

फिरोजाबाद, युवती के साथ आरोपी ने हिंदू बनकर दोस्ती की थी। इसके बाद पांच साल से वो उसके साथ लिव इन में रह रही थी। फिर जब बात शादी की आई तो आरोपी ने उससे कहा कि वो मुसलमान है। उसे इस्लाम कबूल करके निकाह करना होगा। फिरोजाबाद के थाना शिकोहाबाद नगर के मोहल्ला स्वामी नगर में किराये के मकान में रह रही एक युवती ने सोमवार को एसपी ग्रामीण को शिकायती पत्र दिया था। जिसमें उसने अपनी पहचान छिपा कर उसके साथ लिव इन रिलेशनशिप में रह रहे समुदाय विशेष के युवक पर शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण का आरोप लगाया था। एसपी ग्रामीण ने मामले की गंभीरता देखते हुए तत्काल प्रभाव से मुकदमा दर्ज कराने के आदेश दिये। थाना पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर देर रात मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। जहां पीड़िता को मंगलवार को मेडिकल के लिए बुलाया गया, वहीं आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी गई है। मूल रूप से मैनपुरी के थाना क्षेत्र औंझा के गांव निवासी एक युवती की दोस्ती पांच साल पूर्व एक युवक से हुई। उसने अपना नाम अमित बताया। युवती सोमवार को एसपी ग्रामीण कुमार रण विजय सिंह के कार्यालय पहुंची और उसने तहरीर दी। उन्होंने तत्काल प्रभाव से प्रभारी निरीक्षक हरवेंद्र मिश्रा को मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई के निर्देश दिए। थाना पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

70 हजार युवाओं को मिलेगी सरकारी नौकरी

नई दिल्ली, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 70 हजार युवाओं को अप्वॉइंटमेंट लेटर बांटे हैं. इन युवाओं को सरकार के विभिन्न विभागों में नौकरियां दी गई हैं. पीएम नरेंद्र मोदी ने आज सुबह 10:30 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से लगभग 70,000 नव नियुक्त भर्तियों को नियुक्ति पत्र दिए हैं. यह ज्वाइंनिंग लेटर देश में 43 जगहों पर आयोजित रोजगार मेला के तहत बांटे गए हैं. रोजगार मेला केंद्र सरकार की एक खास पहल है, जिसके तहत जल्द और बिना परेशानी के अप्वॉइंटमेंट लेटर दिए जाते हैं. सरकार को उम्मीद है कि रोजगार मेला आने वाले समय में रोजगार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा साथ ही युवाओं को उनके सशक्तिकरण और राष्ट्रीय विकास में भागीदारी के लिए सार्थक अवसर देगा. केंद्र सरकार के साथ ही राज्य सरकारें भी रोजगार मेले के तहत युवाओं को नियुक्ति पत्र बांट रही हैं. पीएम मोदी ने आज देश भर से चुनी गई नई भर्तियां वित्तीय सेवा विभाग, डाक विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग, उच्च शिक्षा विभाग, रक्षा मंत्रालय, राजस्व विभाग, कल्याण, परमाणु ऊर्जा विभाग, रेल मंत्रालय, लेखापरीक्षा और लेखा विभाग, परमाणु ऊर्जा विभाग और गृह मंत्रालय, स्वास्थ्य और परिवार मंत्रालय सहित विभिन्न विभागों में नियुक्ति कर्मचारियों को ज्वाइंनिंग लेटर दिए हैं. रोजगार मेला के तहत 10 लाख नौकरियां दिया जा रहा है. सरकारी पोर्टल के तहत 10 लाख युवाओं को प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है. वहीं एसएसी, यूपीएससी और रेलवे के तहत 8 लाख 82 हजार लोगों को नौकरी दी जा चुकी है.

8,000 करोड़ रुपये की आपदा प्रबंधन योजनाओं का किया एलान

नई दिल्ली, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को आपदा प्रबंधन के लिए 8,000 करोड़ रुपये से अधिक की तीन प्रमुख योजनाओं की घोषणा की। शाह ने विज्ञान भवन में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के आपदा प्रबंधन विभागों के साथ बैठक की अध्यक्षता की। गृह मंत्री अमित शाह ने आपदा प्रबंधन के लिए महत्वपूर्ण घोषणा की है, जिसके लिए आठ हजार करोड़ का बजट तय किया गया है।

शाह ने स्कीमों के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि राज्यों में प्रबंधन के लिए आधुनिक सेवाओ और उसके विस्तार के लिए 5000 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। 2500 करोड़ रुपये का इस्तेमाल मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, बेंगलुरु, हैदराबाद, अहमदाबाद और पुणे जैसे शहरों में बाढ़ के खतरे को कम करने के लिए किया जाएगा। इसके अलावा राष्ट्रीय भूस्खलन जोखिम शमन योजना के तहत 825 करोड़ रुपये 17 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए खर्च किए जाएंगे। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के आपदा प्रबंधन मंत्रियों की बैठक के बाद शाह ने कहा कि पिछले नौ साल में केंद्र सरकार

ने इस क्षेत्र में काफी कुछ हासिल किया है। अमित शाह ने आगे कहा कि हमने बहुत कुछ हासिल किया है और इससे कोई इनकार नहीं कर सकता। लेकिन हम सिर्फ इतने से संतुष्ट नहीं रह सकते क्योंकि, आपदाओं ने अपना रूप बदल लिया है। उनकी तीव्रता बढ़ गई है। हमें व्यापक योजनाएं बनानी होंगी। अब कुछ नए इलाकों में भी आपदाएं आ रही हैं। इन सबके लिए हमें अपने आप को तैयार करना पड़ेगा। शाह ने कहा कि जिन राज्यों में परमाणु ऊर्जा केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं, उन्हें आपात स्थितियों में सख्त प्रोटोकॉल दिए गए हैं।

12 से 19 जुलाई के बीच लॉन्च होगा चंद्रयान-3

तिरुवनंतपुरम, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के प्रमुख एस सोमनाथ ने कहा कि इसरो के चंद्रमा मिशन के तीसरे संस्करण 'चंद्रयान-3' को 12 जुलाई से 19 जुलाई के बीच लॉन्च किया जाएगा। इसरो प्रमुख सोमवार को कोथावारा सेंट जेवियर्स कॉलेज में आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला और अंतरिक्ष प्रदर्शनी का उद्घाटन करने पहुंचे थे। इस दौरान, उन्होंने कहा कि चंद्रयान पहले ही यूआर राव सैटेलाइट सेंटर से श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र के लॉन्च पैड पर पहुंच चुका है। इसरो प्रमुख ने कहा, अंतिम चरण की तैयारी चल रही है। इसे इस महीने के अंत तक पूरा कर लिया जाएगा। वहीं इस लॉन्चिंग के लिए रॉकेट, एलवीएम-3 का इस्तेमाल किया जाएगा। इसके लिए सभी पुर्जे श्रीहरिकोटा पहुंच गए हैं। सोमनाथ ने कहा कि रॉकेट के पुर्जों को जोड़ने का काम भी इस महीने के अंत तक पूरा हो जाएगा और फिर चंद्रयान-3 को रॉकेट से जोड़ने की प्रक्रिया होगी। उन्होंने कहा कि यह भी जून के अंतिम सप्ताह में किया जाएगा और इसके बाद कई परीक्षण होंगे। सोमनाथ ने कहा 12 से 19 जुलाई के बीच लॉन्चिंग के लिए अनुकूल समय है और हम इसे केवल तभी प्रक्षेपित कर सकते हैं।

संयुक्त राष्ट्र के 75 साल पूरे होने के कार्यक्रम में शामिल हुए राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश भारत, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य नहीं बन पाया है। यह वैश्विक संगठन की 'नैतिक वैधता को कमजोर' करता है। संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना के 75 साल पूरे होने के मौके पर आयोजित एक संगोष्ठी को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने यह टिप्पणी की। संयुक्त राष्ट्र के रेजिडेंट कोऑर्डिनेटर शोम्बी शार्प की उपस्थिति में राजनाथ ने कहा कि अब समय आ गया है कि संयुक्त राष्ट्र के निकायों को अधिक लोकतांत्रिक, वर्तमान वास्तविकताओं का प्रतिनिधि बनाया जाए। इस कार्यक्रम में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान, आर्मी चीफ जनरल मनोज पांडे, सेना के कई वरिष्ठ अधिकारी और विभिन्न दूतावासों के रक्षा अताशे भी मौजूद थे। अपने संबोधन में, राजनाथ ने यह भी कहा कि जब हम अतीत को याद करते हैं, तो हमें भविष्य की ओर भी देखना चाहिए। पूरे संयुक्त राष्ट्र पारिस्थितिकी तंत्र को देखना भी महत्वपूर्ण है और इसमें सुधार के लिए क्या किया जा सकता है। रक्षा मंत्री ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र

सुरक्षा परिषद सहित संयुक्त राष्ट्र के निर्णय लेने वाले निकायों को दुनिया की जनसांख्यिकीय वास्तविकताओं के प्रति अधिक चिंतनशील बनाना है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के वर्तमान में पांच स्थायी सदस्य चीन, फ्रांस, रूस, यूके और यूएस है। वहीं, 10 निर्वाचित गैर-स्थायी सदस्य भी है, जो दो साल का अपना कार्यकाल पूरा करते हैं। भारत ने पिछले साल दिसंबर में परिषद के गैर-स्थायी सदस्य के रूप में अपना कार्यकाल पूरा किया।

उग्रवादियों और ग्रामीण स्वयंसेवकों के बीच हुई मुठभेड़, नौ लोग घायल

इम्फाल, संघर्षग्रस्त मणिपुर में इंफाल पूर्वी जिले के खमेनलोक इलाके में सोमवार देर रात तक उग्रवादियों और ग्रामीण स्वयंसेवकों के बीच मुठभेड़ जारी रही, जिसमें नौ और लोग घायल हो गए। इस बात की जानकारी पुलिस की ओर से दी गई। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि शुरुआत में तीन लोगों के हताहत होने की सूचना मिली थी। उन्होंने कहा कि गांव के स्वयंसेवकों ने उग्रवादियों द्वारा बनाए गए कुछ अस्थायी बंकरों और वाच टावर को भी जला दिया। यह क्षेत्र मैतेई-बहुल इंफाल पूर्वी जिले और आदिवासी बहुल कांगपोकपी जिले की सीमाओं के पास स्थित है। चिकित्सा प्रतिष्ठानों के अधिकारियों ने कहा कि घायलों को स्थानीय अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जहां एक घायल व्यक्ति की हालत गंभीर बताई जा रही है, जबकि अन्य खतरे से बाहर हैं। सोमवार को इलाके में गांव के स्वयंसेवकों और उग्रवादियों के बीच भारी गोलीबारी हुई। इससे पहले तीन दिन तक इलाके में कोई बड़ी घटना की सूचना नहीं मिली थी। एक अन्य

घटना में, बिष्णुपुर जिले के गोविंदपुर गांव में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में एक उग्रवादी मारा गया और दो अन्य घायल हो गए। हिंसा को और फैलने से रोकने और इलाके में दबदबा कायम करने की कवायद के लिए इलाके में बड़ी संख्या में सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं। अधिकारी ने कहा कि उग्रवादी गांवों के आसपास बंकर बनाने की कोशिश कर रहे थे, तभी सुरक्षा बलों ने उन्हें उकसाया और दोनों के बीच गोलीबारी शुरू हो गई।

यूक्रेन का मुद्दा उठा भड़क उठा चीन

नई दिल्ली। जी-20 देशों के मंत्रियों की एक और बैठक पर यूक्रेन विवाद की छाया रही। वाराणसी में सदस्यों देशों के विकास मंत्रियों की बैठक के बाद कोई साझा घोषणा पत्र जारी नहीं हो सका। संयुक्त घोषणा पत्र की जगह जो प्रपत्र जारी किया गया उसे आउटकम डाक्यूमेंट एंड चेयर्स समरी कहा गया।कारण यह रहा कि इस प्रपत्र में यूक्रेन विवाद का जिक्र किया गया है और परोक्ष तौर पर इसके लिए रूस को जिम्मेदार भी ठहराया गया है। लिहाजा रूस ने इस प्रपत्र से अपने आपको अलग कर लिया जबकि चीन का कहना है कि इसमें यूक्रेन का जिक्र नहीं होना चाहिए था। यह बैठक विदेश मंत्री एस जयशंकर की अध्यक्षता में हुई थी। इसके पहले जी-20 के वित्त मंत्रियों और विदेश मंत्रियों की बैठक में भी यूक्रेन विवाद का जिक्र होने की वजह से ही संयुक्त घोषणा पत्र जारी नहीं किया जा सका था। बैठक के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस बारे में पूछे जाने पर जयशंकर ने कहा कि किस देश ने समर्थन किया और किसने विरोध किया, मैं इसमें नहीं जाना चाहता। लेकिन सभी ने अपने हितों के संदर्भ में बात की।

बाढ़ की चपेट में असम के तीन जिले

गुवाहाटी, बाढ़ के पानी ने पांच तटबंधों को तोड़ दिया है। (दारांग जिले में तीन और लखीमपुर जिले और बिश्वनाथ सब-डिवीजन में एक-एक), सात सड़कों के बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचाया और बाढ़ का पानी कुछ स्कूलों और आंगनवाड़ी केंद्रों में भी भर गया है. असम में हुई बारी बारिश के चलते तीन जिले बाढ़ की चपेट में आ गए हैं। इसके कारण छह सौ से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। रविवार को ही असम के मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारियों के साथ बाढ़ को लेकर बैठक की थी। मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से दीमा हसाओ में संवेदनशील जिलों में एनडीआरएफ और एसडीआरएफ कर्मियों की तैयारी के लिए कदम उठाने को कहा। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार, तीन जिलों उदलगुड़ी, सोनितपुर और कछार बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। एएसडीएमए ने कहा कि बाढ़ ने तीन राजस्व मंडलों के तहत दस गांवों और गोहपुर राजस्व मंडल के तहत 150 हेक्टेयर फसली भूमि को प्रभावित किया है और कलईगांव राजस्व मंडल वर्तमान में जलमग्न है। बाढ़ के पानी ने पांच तटबंधों को तोड़ दिया है। (दारांग जिले में तीन और लखीमपुर जिले और बिश्वनाथ सब-डिवीजन में एक-एक), सात सड़कों के बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचाया और बाढ़ का पानी कुछ स्कूलों और

आंगनवाड़ी केंद्रों में भी भर गया है। दूसरी ओर, एएसडीएमए ने कहा कि पिछले दो दिनों के दौरान भारी बारिश से कछार जिले के सिलचर शहर के कई हिस्सों में अचानक बाढ़ आ गई है. मानसून की शुरुआत और राज्य भर में बारिश से बाढ़ की संभावना को देखते हुए, असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा ने रविवार को डीसी और राज्य प्रशासन के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक वीडियो कॉन्फ्रेंस की थी, ताकि सभी आवश्यक व्यवस्था की जा सके। मुख्यमंत्री ने राजस्व और आपदा प्रबंधन के प्रधान सचिव ज्ञानेंद्र देव त्रिपाठी को विशेष रूप से दीमा हसाओ में संवेदनशील जिलों में एनडीआरएफ और एसडीआरएफ कर्मियों की तैयारी के लिए कदम उठाने को कहा।

शिक्षा की दुकानें बढ़ी लेकिन गुणवत्ता में हम पिछड़ते जा रहे हैं

संपादकीय

भाजपा को मात देने के लिए हिंदुत्व की राह पर कांग्रेस

अविभाजित मध्य प्रदेश को आमतौर पर भाजपा के हिंदुत्व की प्रयोगशाला माना जाता रहा है। लेकिन अब इसी मध्य प्रदेश और इससे अलग होकर बने छत्तीसगढ़ को कांग्रेस अपने सॉफ्ट हिंदुत्व की प्रयोगशाला बनाने का प्रयास कर रही है। 2018 में कांग्रेस के विधानसभा चुनाव जीतने के बाद गांधी परिवार के आशीर्वाद से छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री बने भूपेश बघेल ने बहुत जल्द ही यह भांप लिया कि अगर छत्तीसगढ़ में निर्बाध रूप से सरकार चलानी है तो हिंदुत्व के रास्ते पर चलना होगा और उसके बाद लोगों ने देखा किस तरह से बघेल ने एक-एक कर राज्य भाजपा से हिंदुत्व से जुड़े मुद्दों को छीनना शुरू कर दिया। छत्तीसगढ़ में होने वाले विधानसभा चुनाव 2023 के लिए भाजपा और कांग्रेस में हिंदुत्ववादी राजनीति करने की होड़ लगी हुई है। इस बार दोनों पार्टियां हिंदुत्व को मुद्दा बनाकर चुनावी प्रचार कर रही है। दोनों पार्टियों में होड़ लगी है कि कौन-सी पार्टी हिंदुत्व की राजनीति में आगे निकलती है। गोबर योजना से लेकर राम वन गमन परिपथ, रामायण प्रतियोगिता, हनुमान चालीसा का पाठ और गोधन न्याय योजना जैसी परियोजनाओं को अपना कर, घोषणाएं करके छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार राज्य के हिंदू मतदाताओं को पुरजोर तरीके से और लगातार लुभाने का प्रयास कर रही है।

मध्य प्रदेश में 2018 में चुनाव जीतकर गांधी परिवार के आशीर्वाद से मुख्यमंत्री बनने वाले कमलनाथ को जल्द ही भाजपा ने ज्योतिरादित्य सिंधिया की बगावत की मदद से कुर्सी से हटा कर अपने शिवराज सिंह चौहान को फिर से राज्य का मुख्यमंत्री बना दिया लेकिन इसके बाद पूरे प्रदेश में भ्रमण कर रहे कमलनाथ और दिग्विजय सिंह की जोड़ी को जल्द ही हिंदुत्व की राजनीति की अहमियत का भी अहसास हो गया और इसके बाद कांग्रेस ने मध्य प्रदेश में भी हिंदुत्व की राजनीति पर ही चलने का फैसला कर लिया। इसके बाद ही कांग्रेस में मुख्यमंत्री पद के फिलहाल सबसे बड़े और एकमात्र दावेदार नजर आ रहे कमलनाथ ने अपनी पूजा करती तस्वीरों को सार्वजनिक रूप से शेयर करना शुरू कर दिया, बजरंग सेना का कांग्रेस में विलय कराया और सबसे खास बात यह है कि किसानों, बेरोजगारों, हड़तालों और आदिवासियों सहित तमाम मुद्दों पर शिवराज सरकार को घेरने वाले कमलनाथ बहुत ही जोर-शोर से और प्रमुखता से उज्जैन के महाकाल में गिरी देव प्रतिमाओं का भी मुद्दा उठाकर हिंदू मतदाताओं को खास संदेश देने का प्रयास कर रहे हैं। यहां तक कि राज्य में चुनावी अभियान का श्रीगणेश करने के लिए मध्य प्रदेश पहुंची प्रियंका गांधी ने भी पहले मां नर्मदा की पूजा अर्चना और आरती कर अपने इरादों को पूरी तरह से स्पष्ट कर दिया।

आजादी के अमृत काल में जब चहूं ओर से अनेक गौरवान्वित करने वाली खबरें आती हैं, वहीं कभी-कभी कुछ निराश करने वाली खबरें भी आत्म-मूल्यांकन को प्रेरित करती हैं। ऐसी ही एक खबर भारत की उच्च-शिक्षा को लेकर है। हमारे देश में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में संख्यात्मक दृष्टि से काफी तरक्की हुई है लेकिन बात गुणात्मक दृष्टि की करते हैं तो निराशा ही हाथ लगती है। नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क 2023 की ओवरऑल रैंकिंग सूची को देखकर भी ऐसा ही लगता है। एक बड़ा सवाल है कि हम गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा की सूची में क्यों नहीं अव्वल आ पा रहे हैं। यह सवाल सत्ता के शीर्ष नेतृत्व को आत्ममंथन करने का अवसर दे रहा है, वहीं शिक्षा-निर्माताओं को भी सोचना होगा कि कहां उच्च-शिक्षा के क्षेत्र में त्रुटि हो रही है कि हम लगातार गुणवत्ता पूर्ण उच्च शिक्षा की सूची में सम्मानजनक स्थान नहीं बना पा रहे हैं। शिक्षा मंत्रालय हर साल शिक्षा संस्थानों की रैंकिंग जारी करता है। इस बार एनआईआरएफ रैंकिंग के मुताबिक आईआईटी मद्रास को देश का सर्वश्रेष्ठ शिक्षण संस्थान घोषित किया गया है। जबकि दूसरे नम्बर पर भारतीय विज्ञान संस्थान बैंगलुरु है।

इंजीनियरिंग कैटेगरी में आईआईटी मद्रास की रैंक लगातार आठवें वर्ष भी बरकार रही है। इसके बाद आईआईटी दिल्ली दूसरे नम्बर पर और तीसरे नम्बर पर आईआईटी मुम्बई है। इसी तरह मैनेजमैंट कालेज, फार्मेसी कालेज, लॉ कालेजों की भी रैंकिंग की गई। इसमें कोई संदेह नहीं कि भारत में शिक्षा सुधार लगातार जारी है। उच्च शिक्षा उद्योग पर्याप्त शिक्षण क्षमता प्रदान करने के लिए संघर्ष कर रहा है लेकिन विडम्बना यह है कि भारत का कोई भी संस्थान वैश्विक शीर्ष सौ संस्थानों में अपनी जगह नहीं बना पाया। वैश्विक टॉप 200 में केवल तीन भारतीय संस्थान ही जगह बना पाए हैं। कुल मिलाकर 41 भारतीय संस्थान और विश्वविद्यालय हैं जिन्होंने इस वर्ष क्यूएस विश्वविद्यालय रैंकिंग सूची में जगह बनाई है।आइआइटी हो या आइआइएम या फिर कॉलेज और विश्वविद्यालय, रैंकिंग के टॉप टेन में जगह बनाने वाली शिक्षण संस्थाओं में पिछले सालों से एक से नाम ही नजर आते हैं। यह तो लगता है कि ये संस्थाएं अपनी गुणवत्ता बनाए हुए हैं पर यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि दूसरी उच्च शिक्षण संस्थाएं आखिर टॉप सूची में आने से क्यों वंचित रहती हैं? हम क्या कहकर विदेशी छात्रों को आकर्षित करेंगे? भारत प्राचीन समय में उच्च शिक्षा एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का केन्द्र रहा है, फिर आजादी के बाद इस विरासत को क्यों नहीं कायम रख पाये? किसी भी शिक्षण संस्थान की गुणवत्ता उसकी फैकल्टी पर निर्भर करती है। फैकल्टी में योग्य और प्रशिक्षित शिक्षक चाहिए। निजी क्षेत्र युवा स्नातकों को ऐसे प्रोफेसरों के रूप में भर्ती करते हैं जिनके पास कोई अनुभव या ज्ञान नहीं होता। वह ज्यादा से ज्यादा मुनाफा कमाना चाहता है।

निजी क्षेत्र को छात्रों में रचनात्मकता, नए शोध और नए कौशल को सीखने की प्रवृत्ति को प्रोत्साहन देने में कोई रुचि नहीं है। देश में आरक्षण प्रणाली बहुत ही विवादास्पद है। उच्च शिक्षा की गुणवत्ता में आरक्षण प्रणाली अभी भी बाधक बनी हुई है। युवा पीढ़ी को सिर्फ नौकरी और भारी-भरकम वेतन पैकेज लेने में ही अधिक रुचि है। इसलिए अभिभावक भी बच्चों को देश की सेवा के लिए प्रेरित करने की बजाय अच्छी नौकरी तलाश करने के लिए ही प्रेरित करते हैं। नरेन्द्र मोदी सरकार द्वारा घोषित नई शिक्षा नीति की उपयोगिता एवं प्रासंगिकता धीरे-धीरे सामने आने लगी है एवं उसके उद्देश्यों की परतें खुलने लगी है।

आखिरकार उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक बड़ी क्रांति की शुरुआत करते हुए अगस्त तक डिजिटल यूनिवर्सिटी के शुरू होने और विदेशों के ऑक्सफोर्ड, कैंब्रिज और येल जैसे उच्च स्तरीय लगभग पांच सौ श्रेष्ठ शैक्षणिक संस्थानों के भारत में कैंपस खुलने शुरू हो जायेंगे। अब भारत के छात्रों को विश्वस्तरीय शिक्षा स्वदेश में ही मिलेगी और यह कम

शिक्षा मंत्रालय हर साल शिक्षा संस्थानों की रैंकिंग जारी करता है। इस बार एनआईआरएफ रैंकिंग के मुताबिक आईआईटी मद्रास को देश का सर्वश्रेष्ठ शिक्षण संस्थान घोषित किया गया है। जबकि दूसरे नम्बर पर भारतीय विज्ञान संस्थान बैंगलुरु है।

खर्चीली एवं सुविधाजनक होगी। इसका एक लाभ होगा कि कुछ सालों में भारतीय शिक्षा एवं उसके उच्च मूल्य मानक विश्वव्यापी होंगे। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की यह अनूठी एवं दूरगामी सोच से जुड़ी सराहनीय पहल है। यह शिक्षा के क्षेत्र में नई संभावनाओं का अभ्युदय है। भारत में दम तोड़ रही उच्च शिक्षा को इससे नई ऊर्जा मिलेगी। बुझा दीया जले दीये के करीब आ जाये तो जले दीये की रोशनी कभी भी छलांग लगा सकती है। खुद को विश्वगुरु बताने वाले भारत का एक भी विश्वविद्यालय दुनिया के 100 विश्वविद्यालयों में शामिल नहीं है। भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी), बेंगलुरु ने 155वां वैश्विक रैंक हासिल किया है जो पिछले साल 186वें स्थान से ऊपर है और भारतीय संस्थानों में पहले स्थान पर है। आईआईएससी बेंगलुरु साइटेशन पर फैकल्टी इंडिकेटर में विश्व स्तर पर शीर्ष संस्थानों में भी उभरा है। यह संस्थानों द्वारा उत्पादित अनुसंधान के वैश्विक प्रभाव को इंगित करता है। शीर्ष 200 में अन्य दो स्थानों पर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) बॉम्बे और आईआईटी दिल्ली वैश्विक 172वें और 174वें स्थान पर हैं। विशेष रूप से, आईआईटी बॉम्बे और आईआईटी दिल्ली दोनों ने पिछले साल से आईआईटी बॉम्बे को 177वें और आईआईटी दिल्ली को पिछले साल 185वें स्थान से अपग्रेड किया। इससे पता चलता है कि शीर्ष 300 वैश्विक विश्वविद्यालयों/संस्थानों में छह भारतीय संस्थान अपनी पहचान बना सकते हैं। इन त्रासद उच्च स्तरीय शिक्षा के परिदृश्यों में बदलाव लाने लाते हुए यह देखना है कि गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा में हम कैसे सम्मानजनक स्थान बनायें।

अन्नामलाई के बयान को लेकर तकरार

चेन्तनई, मिलनाडु की मुख्य विपक्षी पार्टी एआईएडीएमके ने मंगलवार को पूर्व मुख्यमंत्री और पार्टी सुप्रीमो दिवंगत जे जयललिता के खिलाफ अपनी टिप्पणी को लेकर राज्य भाजपा अध्यक्ष के अन्नामलाई के खिलाफ एक प्रस्ताव पारित किया। चेन्नई में पार्टी मुख्यालय में जिला सचिवों की एक बैठक के समापन के बाद पत्रकारों को संबोधित करते हुए, एआईएडीएमके के महासचिव एडप्पादी के पलानीस्वामी ने उस प्रस्ताव को पढ़ा जिसमें उन्होंने कहा कि अन्नामलाई ने जयललिता को जानबूझकर बदनाम करने के इरादे से एक प्रमुख अंग्रेजी दैनिक को एक साक्षात्कार दिया। उन्होंने कहा कि इससे अन्नाद्रमुक कार्यकर्ताओं और जनता की भावनाओं को गहरी ठेस पहुंची है। उन्होंने कहा कि अम्मा ने 16 साल तक तमिलनाडु की मुख्यमंत्री के रूप में सेवा की और जनता के कल्याण के लिए कई योजनाएं लाईं और अन्य राज्यों को उन्हें लागू करने के लिए प्रेरित किया। बिना किसी राजनीतिक अनुभव या परिपक्वता के भाजपा नेता अन्नामलाई ने जानबूझकर (जयललिता के खिलाफ) इस तरह की टिप्पणी एक मकसद के साथ पारित की है और एआईएडीएमके की तरफ से इसकी कड़ी निंदा की जाती है। अन्नामलाई के साक्षात्कार के दौरान अप्रत्यक्ष रूप से भ्रष्ट होने का आरोप लगाने के बाद पार्टी कार्यकर्ता अन्नामलाई की आलोचना कर रहे हैं। एडप्पादी ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और लालकृष्ण आडवाणी सहित राष्ट्रीय नेताओं का 'अम्मा' (जयललिता) के प्रति बहुत सम्मान था और यहां तक कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी उनसे उनके आवास पर मुलाकात की थी।

कांग्रेस सरकार के खिलाफ भाजपा का हल्लाबोल

राजस्थान, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कथित पेपर लीक की घटना को लेकर राजस्थान सरकार के खिलाफ एक बड़ा विरोध प्रदर्शन किया। पुलिस ने मंगलवार को प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। राजस्थान में इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस और भाजपा आमने-सामने है। अशोक गहलोत सरकार के खिलाफ भाजपा जबरदस्त तरीके से हमलावर है। भाजपा राजस्थान में भ्रष्टाचार और पेपर लीक को बड़ा मुद्दा बनाने की कोशिश कर रही है। भाजपा ने साफ तौर पर कहा है कि झूठे वादों से सत्ता प्राप्त करने वाली इस कांग्रेस सरकार के दिन अब पूरे होने वाले हैं। कांग्रेस सरकार के खिलाफ आयोजित सचिवालय महाघेराव कार्यक्रम में भाजपा राष्ट्रीय महासचिव एवं प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह भी शामिल हुए। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि तख्त बदल दो ताज बदल दो, बेईमानों का राज बदल दो।

इससे पहले दिन में भाजपा सांसद किरोड़ी मीणा ने कहा कि उनकी पार्टी राज्य में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार में भ्रष्टाचार का पर्दाफाश करेगी। एक जनसभा में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने दावा किया कि सूचना और प्रौद्योगिकी विभाग (डीओआईटी) में 5,000 करोड़ रुपये का घोटाला हुआ है.

लोकतंत्र खत्म करने की साज़िश को नाकाम करते रहेंगे -खड़गे

दिल्ली, ट्विटर के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) जैक डोर्सी के दावे को लेकर कांग्रेस केंद्र की भाजपा सरकार पर हमलावर है। कांग्रेस साफ तौर पर कहा रही है कि केंद्र की मोदी सरकार लोकतंत्र को खत्म करने की कोशिश कर रही है।विपक्षी दल केंद्र सरकार पर हमलावर है तो वहीं भाजपा की ओर से भी पलटवार किया जा रहा है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी एक ट्वीट के जरिए पूरे मामले को लेकर केंद्र की भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। खड़गे ने साफ तौर पर कहा कि हम लोकतंत्र खत्म करने की साज़िश को नाकाम करते रहेंगे। खड़गे ने साफ तौर पर कहा कि भाजपा-आरएसएस के राजनैतिक वंशज जो स्वतंत्रता के आंदोलन में हिन्दुस्तानियों के खिलाफ़ खडे होकर अंग्रेजों के पक्ष में लड़े, वो ट्विटर के पूर्व ण्‍िं के बयान पर राष्ट्रवाद का ढोंग न रचे! उन्होंने कहा कि देश को शर्मिंदा करने में भाजपा अव्वल है। अंग्रेजों की गुलामी से भाजपा ने केवल तानाशाही की टूलकिट अपनाई है। उन्होंने कहा कि किसान आंदोलन को कुचलने के लिए मोदी सरकार ने क्या कुछ नहीं किया। खुद प्रधानमंत्री मोदी जी ने अन्नदाता किसानों के 'आंदोलनजीवी' बुलाया। यूपी के मुख्यमंत्री ने किसानों पर विदेशी फ़ंडिंग लेने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि भाजपा के मंत्रियों और नेताओं ने किसानों को नक्सली, आतंकवादी और देशद्रोही बुलाया। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि कँटीले तार, सीमेंट की दीवारें, रोड पर कीलें बिछाकर उनका रास्ता रोकने की कोशिश की। उनपर लाठियों से जुल्म ढाए। 750 किसानों की जान गई। उनको श्रद्धांजलि और मुआवज़ा देना तो दूर, उन शहीदों के लिए संसद में एक मिनट का मौन भी नहीं रखा। उन्होंने दावा किया कि 1.48 लाख क़िसान आज भी किसान आंदोलन के दौरान दर्ज केस लड़ने को मजबूर हैं। खड़गे ने साफ तौर पर कहा कि अगर ये सब किया तो पत्रकारों और किसान आंदोलन के नेताओं को धमकाना मोदी सरकार के लिए कोई बड़ी बात नहीं है। उन्होंने कहा कि देश में लोकतंत्र खत्म करने की भाजपाई साज़िश को हम नाकाम करते रहेंगे।

मणिपुर में गोलीबारी

इंफाल। हिंसा प्रभावित मणिपुर में इंफाल ईस्ट जिले के खामेनलोक क्षेत्र में उग्रवादियों तथा ग्रामीण स्वयंसेवकों के बीच सोमवार देर रात तक हुई गोलीबारी में नौ और लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि पहले तीन लोगों के घायल होने की खबर थी। हालांकि दोनों पक्षों की ओर से गोलीबारी जारी रहने के कारण घायलों की संख्याबढ़ गई। अब दोनों ही पक्ष पीछे हट गए हैं। उन्होंने बताया कि गांव के स्वयंसेवकों ने उग्रवादियों द्वारा बनाए गए कुछ अस्थायी बंकर और एक 'वॉच-टॉवर' में आग लगा दी थी। यह क्षेत्र मेइती-बहुल इंफाल ईस्ट जिले और आदिवासी बहुल कांगपोकपी जिले की सीमाओं से लगा है। अधिकारी ने बताया कि हिंसा को रोकने के लिए इलाके में बड़ी संख्या में सुरक्षा बल की तैनाती की गई है। इलाके में सोमवार को गांव के स्वयंसेवकों और उग्रवादियों के बीच भारी गोलीबारी हुई। इससे पहले तीन दिन तक इलाके में कोई बड़ी घटना की सूचना नहीं मिली थी। अधिकारी ने बताया कि एक अन्य घटना में बिष्णुपुर जिले के गोविंदपुर गांव में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में एक उग्रवादी मारा गया और दो अन्य घायल हो गए। मणिपुर में करीब एक महीने पहले भड़की जातीय हिंसा में कम से कम 100 लोगों की मौत हुई है और 310 अन्य घायल हुए हैं।

मालिक, मुद्रक व प्रकाशक : विनोद कुमार सिंह द्वारा एस. आर. प्रिंटिंग प्रेस, वैशाली नगर, दहिसर पूर्व, मुंबई 68 से मुद्रित किया तथा 09 विभाकों बिल्डिंग, मामलेतदार वाडी,मालाड (पश्चिम), मुंबई 400 064 से प्रकाशित.

• संपादक- विनोद कुमार सिंह • प्रबंध संपादक : मोती रहमान शेख • सहायक संपादक : सुरेश पांढरे

+91-22 28881212 मो. 9987585870
Email-editor@theredstarnews.com, info@theredstarnews.com
RNI No.: MAHHIN/2010/35947
सभी विवादों के निपटारे के लिए न्याय क्षेत्र मुंबई होगा.
पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.

ठाणे कार्यालय :
डी-405, ओमसाईं इंक्लेव, को.हॉ.सो. पूनम सागर, मीरा रोड (पूर्व), ठाणे.
संपर्क- 9987585870 / 9820361619
vinod143singh@gmail.com

मानवाधिकार फाउंडेशन
मा.अखिलेश उपाध्याय
(एडवोकेट हाईकोर्ट)
कानूनी सलाह एवं कानूनी निपटारे के लिए संपर्क करें
09, विभाको बिल्डिंग, मामलेतदार वाडी, मालाड (पश्चिम), मुंबई-400064.
मो. 9004102640-8693863320

द रेड स्टार न्यूज को अनुभवी संवाददाता एवं विज्ञापन प्रतिनीधि की आवश्यकता है
इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें
9987585870
vinod143singh@gmail.com

Dr.B.M.PAL
B.H.M.S., MD (AM)
PG-DCC, (GERMANY)
PHYSICIAN & CLINIC COSMETOLOGIST
SHREE SAI CLINIC
Timing: Morn. 09:30 am to 01:30 pm
Eve. 5.30 pa to 10.30
Shop No.004, Vaibhav Darshan, Near ST.THOMOS CHURCH, Sai Baba Nagar, Mira Road (E), Mob.: 9324771128

अखंड राष्ट्रवादी श्रमिक चित्रपट सेना
ए.एल.सी./ का.-17-11168
फिल्म कामगारों के हक के लिए लड़ने वाला सर्वोच्च संगठन
सदस्यता ग्रहण करने के लिए संपर्क करें
7705858700

आवश्यकता है ...
भारत के सभी राज्यों एवं जिलों से अनुभवी पत्रकार एवं विज्ञापन प्रतिनिधि
सम्पर्क करें.
+91 9987585870

आवश्यक सूचना
पाठकों को सूचित किया जाता है कि द रेड स्टार न्यूज के नाम पर अगर कोई भी व्यक्ति अगर किसी भी तरह का व्यवहार करता है तो इसकी पुष्टि के लिए इस नंबर पर संपक कर लें.
9820361619

महादेव दूध डेरी व स्वीट हाउस
हमारे यहां सुबह-शाम दूध लिया व दिया जाता है
मिठाई, दही, देशी घी, लस्सी, सफल मटर, पनीर, छेना, मशरुम, खोवा, कोल्डड्रिंक्स, मिनरल वाटर भी मिलता है
ऑर्डर देने पर बर्थडे केक भी मिलता है

प्रो. अशोक पाल : 8756685845
पता- खोईरी इंटर कॉलेज (डिहवा) के पास, बरसठी बंधवा रोड, बरसठी, जौनपुर

जाको राखे साइयां मार सके ना कोय गहरी घाटी में गिरी बस, बच गए यात्री

मुंबई, जाको राखे साइयां, मार सके ना कोय... यह कहावत महाराष्ट्र के अमरावती में हुए एक बस हादसे पर सटीक साबित हुई है। परतवाडा से धारणी राज्य हाईवे-14 पर सोमवार को एसटी बस का भीषण हादसा हो गया। सुबह 10 बजकर 40 मिनट पर अमरावती से खंडवा जा रही अमरावती डिपो की बस एक मोड़ पर ब्रेक फेल होने के कारण खाई में गिर गई। जानकारी के मुताबिक, धारणी घाट में गिरने के बाद कुछ फीट की गहराई में बस बड़े पेड़ों पर फंस गई और एक बड़ा अनर्थ टल गया। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन दलबल के साथ मौके पर पहुंचा और बचाव अभियान शुरू किया। हादसे के समय राज्य परिवहन की बस में कुल 64 यात्री सवार थे। बस चालक मोहम्मद मुजाहिद मामूली रूप से घायल हुए है। जबकि 6 से 7 यात्रिओं को भी मामूली चोंटे आई है। सभी घायलों को तत्काल नजदीकी पीएचसी में भर्ती कराया गया है। चालक मुजाहिद को इलाज के लिए परतवाडा के अस्पताल में भेजा गया है। पलटने के बाद बस सड़क से नीचे घाटी में 10 से 15 फीट जाकर बड़े पेड़ों में फंस गई। इस वजह से एक बड़ी जनहानि टल गई। इस हादसे की जानकारी एसटी निगम को मिलते ही एक दल को मौके पर भेजा गया। पुलिस अधीक्षक अविनाश बारगड ने बताया कि बस के कंडक्टर ने दुर्घटनाग्रस्त बस से यात्रियों को दूसरी बस में बिठाया और वहां से रवाना किया।

मुंबई में बिपोर्जॉय तूफान का खतरा समंदर में उठ रही ऊंची लहरें

मुंबई, मुंबई में चक्रवाती तूफान 'बिपोर्जॉय' का असर रविवार से ही दिखने लगा है। शक्तिशाली चक्रवात के कारण अरब सागर में हलचल बहुत बढ़ गई है। शहर के तटीय क्षेत्र में समंदर में ऊंची लहरे उठ रही है। शहर के कई हिस्सों में तेज हवाओं के साथ हलकी बारिश हो रही है। मुंबई में एनडीआरएफ की पांच टीमों को तैनात किया गया है। राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल एनडीआरएफ ने एक बयान में कहा, चक्रवात बिपोर्जॉय के कारण एहतियात के तौर पर हमने मुंबई में पहले से उपलब्ध तीन टीमों के अलावा दो और टीमों को तैनात किया है। साथ ही पुणे में भी एनडीआरएफ की टीमें तैयार हैं। जबकि चार अन्य टीमों को गुजरात भेजा है, जहां चक्रवाती तूफान का अधिक प्रभाव होने की उम्मीद है। मुंबई के कई इलाकों में रविवार शाम से रुक-रुक कर बारिश हो रही है। शहर के विभिन्न समुद्र तटों पर ज्वार की लहरें ऊंची उठ रही हैं। साथ ही तेज हवा भी बह रही है। आज मुंबई समेत महाराष्ट्र के अधिकांश जिलों के लिए आंधी-बारिश का 'येलो' अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कहा कि, चक्रवात बिपोर्जॉय धीरे-धीरे 5 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से उत्तर की दिशा में आगे बढ़ रहा है और 14 जून के बाद इसकी दिशा बदलेगी। 15 जून की दोपहर तक 125-135 किमी/घंटा की रफ्तार से एक बहुत गंभीर चक्रवाती तूफान सौराष्ट्र, कच्छ और पाकिस्तान के तट से टकराएगा। आईएमडी के मुताबिक, चक्रवात बिपोर्जॉय के 15 जून की दोपहर तक गुजरात के जखाऊ बंदरगाह के पास मांडवी और पाकिस्तान में कराची के बीच सौराष्ट्र और कच्छ को पार करने की संभावना है। इससे गुजरात के तटीय जिलों में भारी बारिश होने की संभावना है। इसके प्रभाव से कच्छ, देवभूमि द्वारका और जामनगर में अत्यधिक वर्षा और गुजरात के पोरबंदर, राजकोट, मोरबी और जूनागढ़ जिलों के कुछ स्थानों में 14-15 जून को बहुत भारी बारिश हो सकती है।

कैबिनेट विस्तार से पहले शिंदे गुट के मंत्रियों की होगी छुट्टी

मुंबई, महाराष्ट्र की एकनाथ शिंदे-देवेंद्र फडणवीस सरकार का बहुप्रतीक्षित मंत्रिमंडल विस्तार जल्द होने की खबर है। हालांकि इस कैबिनेट विस्तार में शिवसेना शिंदे गुट और बीजेपी से नए चेहरों को शामिल किया जा सकता है। रिपोर्ट्स की मानें तो शिंदे-फडणवीस सरकार के मंत्रिमंडल का विस्तार होगा तो भी छोटा ही होगा। ज्यादा से ज्यादा 9 से 10 नए मंत्रियों को कैबिनेट में शामिल किया जाएगा। हालांकि शिवसेना और बीजेपी नेतृत्व पर उनके विधायक मंत्री बनाने के लिए काफी दबाव बना रहे है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उप-मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कुछ दिन पहले दिल्ली में बीजेपी के केंद्रीय मंत्री अमित शाह से मुलाकात की थी। इस बैठक में महाराष्ट्र में मंत्रिमंडल विस्तार पर चर्चा हुई थी। बताया जा रहा है कि इस बैठक में अमित शाह ने शिंदे गुट की शिवसेना के चार से पांच मंत्रियों को पद से हटाने के लिए कहा है। चर्चा है कि एकनाथ शिंदे पर शिवसेना के पांच मंत्रियों- अब्दुल सत्तार, संदिपान भुमरे, तानाजी सावंत, गुलाबराव पाटील और संजय राठोड को कैबिनेट से बाहर कर उनकी जगह नए चेहरों को शामिल करने का बीजेपी दबाव बना रही है। बीजेपी आलाकमान इन पांचों मंत्रियों के काम से नाखुश हैं और इन मंत्रियों के लगातार विवादों में रहने से पार्टी की छवि को नुकसान पहुंच रहा है। इस बीच, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और उद्धव गुट की शिवसेना भी दावा कर रही है कि शिंदे खेमे के कई मंत्रियों की जल्द छुट्टी होने वाली है। हालांकि बीजेपी की महाराष्ट्र इकाई के प्रमुख ने इसे ख़ारिज कर दिया है। बीजेपी के सूत्रों के मुताबिक शिंदे-फडणवीस सरकार का कैबिनेट विस्तार भले ही जल्दी न हो पाए, लेकिन कैबिनेट में शामिल कुछ मंत्रियों को घर का रास्ता दिखाया जायेगा। हालांकि शिंदे गुट का कहना है कि अमित शाह ने मंत्रियों को हटाने के लिए नहीं कहा है। शिंदे गुट की ओर से कहा जा रहा है कि मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर अमित शाह और एकनाथ शिंदे के बीच सकारात्मक चर्चा हुई है। शिंदे खेमे के इन पांच मंत्रियों में कृषि मंत्री अब्दुल सत्तार, महाराष्ट्र रोजगार गारंटी योजना और बागवानी मंत्री संदिपान भुमरे, स्वास्थ्य मंत्री तानाजी सावंत, जल आपूर्ति मंत्री गुलाबराव पाटील और खाद्य एवं औषधि प्रशासन मंत्री संजय राठोड शामिल हैं। ये सभी नेता एकनाथ शिंदे के वफादार विधायक भी है। ये सभी पांचों मंत्री सरकार बनने के बाद से ही किसी न किसी वजह से विवादों में रहे हैं। शुरुआती दिनों में तानाजी सावंत अपने बयानों की वजह से विवादों में रहे। साथ ही, स्वास्थ्य मंत्री के रूप में उनका प्रदर्शन बहुत संतोषजनक नहीं रहा है। सबसे विवादित रहे हैं कृषि मंत्री अब्दुल सत्तार। उन्हें खुद देवेंद्र फडणवीस भी कथित तौर पर फटकार लगा चुके है। उनके खिलाफ बॉम्बे कोर्ट ने भी टिप्पणी की थी. इसके अलावा सत्तार पर सुप्रिया सुले के खिलाफ भी आपत्तिजनक भाषा के इस्तेमाल का आरोप लग चुके है। एक बार सत्तार ने किसानों की आत्महत्या को लेकर भी विवादित टिप्पणी की थी। आपने काम से ज्यादा सत्तार विवादित बयानों की वजह से सुर्ख़ियों में रहें है।

बच्ची को आइसक्रीम खिलाने के बहाने घर ले आया पड़ोसी चाकू की नोंक पर किया रेप

मुंबई, मुंबई में चाकू की नोंक पर नौ साल की बच्ची से बलात्कार करने का मामला सामने आया है। सहार पुलिस ने दुष्कर्म करने वाले 30 वर्षीय आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी नाबालिग पीड़िता का रिश्तेदार है। आरोपी बच्ची को आइसक्रीम खिलाने के बहाने अपने घर ले गया था। इसके बाद उसने चाकू की नोंक पर उसके साथ कथित तौर पर दुष्कर्म किया। पुलिस ने बताया कि पीड़ित लड़की अपने परिवार के साथ रहती है, जबकि आरोपी उनके पड़ोस में रहता है। जानकारी के मुताबिक, नाबालिग पीड़िता से रेप करने के बाद उसने उसे नहलाया। इस दौरान आरोपी ने सब कुछ रिकॉर्ड किया और घटना के बारे में किसी को बताने पर वीडियो वायरल करने की धमकी दी। शुक्रवार रात करीब नौ बजे आरोपी ने बच्ची को आइसक्रीम का लालच दिया और उसे अपने घर ले गया। चूंकि बच्ची उसे जानती थी, इसलिए वह साथ चली गई। एक पुलिस अधिकारी ने कहा घर पहुंचने पर आरोपी ने लड़की की गर्दन पर चाकू रख दिया और फिर उसके साथ रेप किया। उसने बच्ची के साथ दुष्कर्म करते समय अपने मोबाइल से वीडियो भी रिकॉर्ड किया। बाद में उसने पीड़िता को नहलाया और फिर से उसका वीडियो बनाया। अधिकारी ने बताया कि दुष्कर्म के बाद आरोपी ने उस वीडियो को गांव में पीड़िता के रिश्तेदारों को भेजने की धमकी देकर उसे मुंह बंद रखने को कहा। हालांकि, लड़की सीधे अपने घर गई और अपने माता-पिता को आपबीती सुनाई। इसके बाद माता-पिता ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए पीड़िता को मेडिकल जांच के लिए अस्पताल भेजा। पुलिस ने कहा कि पीड़िता के शारीरिक पर कोई चोट नहीं आई है।

मुंबई के धारावी इलाके में 7 मंजिला इमारत में लगी आग

मुंबई, मुंबई के धारावी इलाके में रविवार को एक आवासीय इमारत में आग लगने से 11 लोग घायल हो गए। बृहन्मुंबई नगर निगम बीएमसी ने बताया कि आग पर काबू पा लिया गया है। जबकि पीड़ितों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। आग लगने से ग्राउंड प्लस सात मंजिला इमारत के निवासियों में अफरातफरी मच गई। नगर निकाय के अधिकारियों के अनुसार, धारावी इलाके में 90 फीट रोड पर स्थित शमा बिल्डिंग में सुबह करीब 10 बजकर 58 मिनट पर आग लग गई। आग लगने की सूचना के बाद मुंबई फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग बुझाने का अभियान शुरू किया। एक अधिकारी ने बताया कि कम से कम 70 से 80 लोगों को सुरक्षित बचाया गया है। उनमें से सात महीने के एक बच्चे समेत और दो अन्य बच्चों सहित कुल 11 लोगों को धुएं के कारण बेचैनी महसूस हुई। जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। इस दौरान धारावी पुलिस ने भी इलाके में यातायात को रोक दिया। अधिकारियों ने बताया कि आग पर फायर ब्रिगेड ने दोपहर करीब 12 बजकर 27 मिनट पर काबू पा लिया। हालांकि इस घटना में 11 लोग घायल हो गए। जिसमें से छह को इलाज के लिए पास के सायन अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जबकि बाकी पांच को आयुष अस्पताल ले जाया गया है। अधिकारी ने यह भी कहा कि सभी पीड़ितों की हालत स्थिर है। बीएमसी के मुताबिक, घटना में घायल हुए लोगों की पहचान मुस्कान शेख (35), रवन शेख, रुखसाना शेख (26), फरहान शेख (10), नदिया शेख (5) और सना दलवी (27) के रूप में हुई है, जो अभी सायन अस्पताल में भर्ती है। बताया जा रहा है कि इमारत के इलेक्ट्रिक डक्ट में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी। इस बीच मुंबई से सटे ठाणे जिले में शनिवार को एक फार्मा कंपनी में आग लगने से एक कर्मचारी की मौत हो गई और पांच अन्य लोग घायल हो गए। एक अधिकारी ने बताया कि अंबरनाथ एमआईडीसी में शाम चार बजे के करीब ब्लू जेट हेल्थकेयर कंपनी के नाइट्रिक एसिड टैंक के पास धमाका हुआ और आग भड़क गई।

महाराष्ट्र के अंबरनाथ में फार्मा कंपनी में विस्फोट

मुंबई, महाराष्ट्र के ठाणे जिले के अंबरनाथ इलाके में एक फार्मा कंपनी में विस्फोट के बाद भीषण आग लग गई। अधिकारी ने कहा कि शनिवार शाम में अंबरनाथ शहर में एक फार्मास्यूटिकल कंपनी में आग लगने से एक कर्मचारी की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य लोग घायल हो गए। मृतक की पहचान सूर्यकांत जिमत के रूप में हुई है। ठाणे नगर निगम के अधिकारियों ने बताया कि ब्लू जेट हेल्थकेयर कंपनी के एक केमिकल सेक्शन में विस्फोट के बाद आग लग गई। आग कुछ ही देर में कंपनी की अन्य हिस्सों में भी फैल गई। घटना शनिवार दोपहर एएमपी गेट के पास अंबरनाथ एमआईडीसी यूनिट-2 में ब्लू जेट हेल्थकेयर के नाइट्रेशन प्लांट में हुई। अधिकारी के मुताबिक, आग लगने की वजह फिलहाल पता नहीं चल सकी है। बता दें कि 53 साल पुरानी ब्लू जेट हेल्थकेयर कंपनी एक्स-रे और एमआरआई से जुड़े मेडीकल उपकरण बनाती है। कंपनी की शहाड, महाड और अंबरनाथ इंडस्ट्रियल एरिया में दो मैन्युफैक्चरिंग यूनिट हैं।

महाराष्ट्र के धुले में पुल से गिरी कार 3 की मौत 4 जख्मी

मुंबई, महाराष्ट्र के नासिक जिले में एक धार्मिक समारोह में शामिल होकर घर लौट रहे परिवार पर काल कहर बनकर टूटा है। धुले जिले में हुए भीषण सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई है। धुले तालुक में नवलनगर के पास पीड़ितों की कार अनियंत्रित होकर पुल से नीचे गिर गई। इस हादसे में अमलनेर निवासी तीन लोगों की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। मिली जानकारी के मुताबिक यह दुर्भाग्यपूर्ण हादसा शुक्रवार शाम करीब साढ़े छह बजे हुआ। मृतकों की पहचान सरलाबाई पंडित पाटिल (उम्र 45 वर्ष), मीनाबाई राजेंद्र पाटिल उम्र 50 वर्ष और शाहू विजय पाटिल उम्र 10 के रूप में हुई है। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा और पीड़ितों के रिश्तेदारों को हादसे की सूचना दी। पाटिल परिवार नासिक से अमलनेर कार संख्या एमएच 04-एफजेड 3689 से आ रहे थे। कार में करीब सात से आठ लोग सवार थे। फागने-अमलनेर मार्ग पर नवलनगर गांव के पास तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर छोटे पुल से नीचे गिर गई। हादसा इतना भयानक था कि कार में सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। है।

पुणे में वरकरियों पर लाठीचार्ज नहीं हुआ डिप्टी सीएम बोले- विपक्ष नहीं करे राजनीति

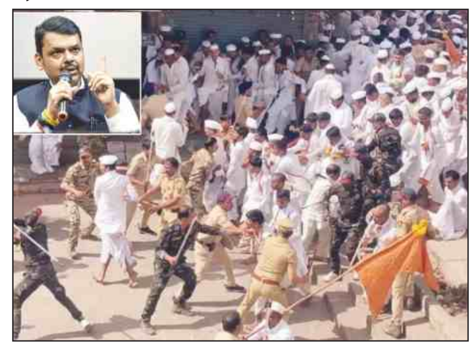

मुंबई, महाराष्ट्र के पुणे जिले में पुलिस और भगवान विट्ठल के भक्तों यानी वरकरियों के बीच झड़प का मामला अब राजनीतिक रंग ले चुका है। महाविकास आघाडी के तमाम नेता वरकरियों पर लाठीचार्ज करने का आरोप लगाते हुए शिंदे-फडणवीस सरकार को घेर रहे है। जबकि महाराष्ट्र सरकार विपक्ष के आरोपों को नकार रही है। पुलिस ने भी कहा कि वरकरियों के जुलूस के दौरान केवल बहस हुई और हलका धक्का-मुक्की हुई लेकिन लाठीचार्ज की कोई घटना नहीं हुई है। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने आलंदी कस्बे में पुलिस द्वारा वरकरियों पर लाठीचार्ज की खबरों का खंडन किया। उन्होंने कहा कि केवल मामूली हाथापाई हुई थी। फडणवीस ने नागपुर में पत्रकारों से कहा वरकरी समुदाय पर कोई लाठीचार्ज नहीं हुआ है। हमने पिछले आलंदी में हुए भगदड़ जैसी स्थिति से सबक लिया और अलग-अलग समूहों को प्रवेश पास देने की कोशिश की। तीर्थयात्रा में शामिल होने वाले प्रत्येक समूह को 75 पास जारी करने का फैसला किया गया। उन्होंने कहा तीर्थयात्रा में लगभग 400-500 युवाओं ने जबरन घुसने की कोशिश की और प्रवेश के लिए तय नियम का अनुपालन नहीं किया।

उन्होंने बैरिकेड्स तोड़ दिए और जब पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की तो ऐसी स्थिती बनी। इस दौरान कुछ पुलिसकर्मी भी घायल हुए है। फडणवीस ने कहा कि स्थिति नियंत्रण में हैं। मैंने घटना का गंभीरता से संज्ञान लिया है और उचित कदम उठाने के निर्देश दिए है। उन्होंने आगे कहा मैं राजनीतिक दलों से इस मामले को लेकर राजनीति नहीं करने की अपील करता हूं। वरकरी समुदाय और लोगों की सुरक्षा महत्वपूर्ण है। इस मामले को लेकर पुलिस को समाधान निकालने का निर्देश दिया गया है। उधर एनसीपी, कांग्रेस और उद्धव गुट की शिवसेना का दावा है कि पुलिस ने वरकरियों पर लाठचार्ज किया है। विपक्ष ने इस मामले की उच्च स्तरीय जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस के मुताबिक, यह घटना तब हुई जब जब पुणे शहर से 22 किलोमीटर दूर आलंदी शहर में भक्त संत ज्ञानेश्वर महाराज समाधि मंदिर में प्रवेश करने की कोशिश कर रहे थे। दरअसल यहां पंढरपुर के लिए वार्षिक अषाढ़ी एकादशी यात्रा शुरू करने के अवसर पर पालखी निकाली जा रही थी। इसमें पुलिस ने एक बार में 75 लोगों के जत्थे को मंदिर में भेजने का नियम बनाया था, लेकिन कई भक्त इससे मानने से इनकार करते हुए बरिकेड्स तोड़कर मंदिर में प्रवेश करने की कोशिश की। जब पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की तो कहासुनी और धक्का-मुक्की शुरू हुई।

दलित युवक की हत्या का मामला रामदास अठावले ने की गवर्नर से मुलाकात

मुंबई, महाराष्ट्र के नांदेड जिले में कथित तौर पर डॉ बीआर आंबेडकर की जयंती मनाने पर 24 वर्षीय दलित युवक अक्षय भालेराव की हत्या ने राज्य को झकझोर कर रख दिया है। आरोप है कि आंबेडकर जयंती मनाने से नाराज ऊंची जाति के युवकों ने भालेराव की निर्मम हत्या की थी। पुलिस ने कम से कम सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस घटना को लेकर केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने महाराष्ट्र के राज्यपाल रमेश बैस से मुलाकात की है। रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया आरपीआई अध्यक्ष रामदास अठावले ने रविवार को राज्यपाल रमेश बैस से मुलाकात की। अठावले ने कहा बाबासाहब आंबेडकर ने दलित और सवर्णों को एक साथ रहने का सिद्धांत दिया और संविधान ने भी यह कहा है। लेकिन आज भी दलित पर अत्याचार हो रहे हैं। अक्षय भालेराव ने नांदेड में आंबेडकर जयंती मनाई और उसकी हत्या कर दी गई। जगह-जगह पर इस तरह के अत्याचार होते हैं। हमने सूझाव दिया है कि महाराष्ट्र सरकार इसे लेकर काम करे और कोई योजना बनाए। पुलिस के मुताबिक, नांदेड के बोंधर हवेली गांव में 1 जून की शाम अक्षय भालेराव की हत्या हुई थी। मृतक के बड़े भाई आकाश ने पुलिस को दिए अपने बयान में कहा मराठा समुदाय के नारायण तिड़के की शादी थी। इस कार्य्रकम में शामिल कुछ लोग हाथों में तलवारें, खंजर और लाठियां लेकर सड़क पर नाच रहे थे। घटना वाले दिन शाम करीब साढ़े सात बजे जब आकाश और अक्षय किराने की दुकान पर सामान खरीदने के लिए गए थे तो समूह में शामिल लोगों ने उनके खिलाफ टिप्पणियां करनी शुरू कर दीं। बयान के मुताबिक एक ने कहा कि इन लोगों को गांव में भीम जयंती मनाने के लिए मार दिया जाना चाहिए। इसके बाद कुछ लोगों ने अक्षय भालेराव को पीटना शुरू कर दिया। आरोप है कि आरोपियों ने अक्षय के हाथ और पैर पकड़कर उसके पेट में चाकू घोंप दिया। जब शिकायतकर्ता ने अपने भाई को बचाने का प्रयास किया तो आरोपितों ने उसे भी चाकू मार दिया। इस बीच बेटों को बचाने के लिए जब मां दौड़ी तो आरोपियों ने उन पर भी हमला कर दिया। नांदेड़ ग्रामीण पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि शुरुआती जांच से पता चला है कि जातीय संघर्ष के कारण वारदात हुई है। आंबेडकर जयंती हर साल 14 अप्रैल को मनायी जाती है।

पुणे-सतारा हाईवे पर बस, ट्रक और कंटेनर की टक्कर 4 की मौत

मुंबई, महाराष्ट्र के पुणे-सतारा हाईवे पर एक भीषण हादसा हुआ है। भोर तालुका के वरवे गांव की सीमा में हुए इस हादसे में चार भारी वाहन आपस में टकरा गए। बताया जा रहा है कि एक कंटेनर, एक ट्रक और दो बसों में भिड़ंत हो गयीं। इस दुर्घटना में यात्री बस पलट गई और कुल चार लोगों की मौत हो गई। जबकि कुछ लोग गंभीर रूप से घायल हुये हैं। जानकारी के मुताबिक, रविवार सुबह में यह हादसा मुंबई-बेंगलुरु हाईवे के पुणे-सतारा खंड पर हुआ। पुणे ग्रामीण पुलिस के अधिकारियों ने कहा कि दुर्घटना पुणे शहर से 40 किलोमीटर दूर स्थित वरवे बुद्रुक गांव में सुबह करीब 8 बजे हुई। राजगढ़ पुलिस स्टेशन के इंस्पेक्टर सचिन पाटिल ने कहा सतारा-पुणे कॉरिडोर पर एक निजी बस को एक कंटेनर ने टक्कर मार दी थी, जब बस सर्विस रोड पर मुड़ रही थी। इस टक्कर के बाद बस दूसरी विपरीत सड़क पर चली गई और उससे एक ट्रक टकरा गया। चूंकि बस से टकराने के बाद ट्रक के अचानक रुक जाने से उससे महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम की शिवशाही बस टकरा गई और सड़क किनारे गड्ढे में जा गिरी। हादसे में निजी बस के ड्राइवर और शिवशाही बस में सवार नौ साल की बच्ची समेत चार लोगों की मौत हो गई है। जबकि आठ से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। घायलों में कुछ की हालत गंभीर है। घायलों का इलाज नजदीकी अस्पताल में चल रहा है। मरने वालों की संख्या बढ़ने की उम्मीद है। अधिकारियों ने कहा कि दुर्घटना के कारण इस व्यस्त हाईवे के दोनों गलियारों पर भारी ट्रैफिक जाम लगा गया। हादसे के करीब तीन घंटे बाद क्षतिग्रस्त वाहनों को क्रेन के जरिए सड़क से हटाया गया और सामान्य यातायात बहाल हुआ। वहीँ, महाराष्ट्र के जालना जिले के चंदनजीरा में समृद्धी महामार्ग पर एक कार और कंटेनर की टक्कर में दो लोगों की मौत हो गई। जबकि एक गंभीर रूप से घायल हो गया। सभी मृतक व घायल एक ही परिवार के बताये जा रहे है। हादसे के बाद मौके से भागने की कोशिश कर रहे कंटेनर के चालक को पुलिस ने पीछा कर गिरफ्तार कर लिया है।

महाराष्ट्र में मॉनसून ने दी दस्तक आईएमडी ने दी खुशखबरी !

मुंबई, महाराष्ट्र में मॉनसून का आगमन हो चुका है। भीषण गर्मी के बीच पिछले कुछ दिनों से मॉनसून का बेसब्री से इंतजार हो रहा था। 11 जून महाराष्ट्र के दक्षिणी क्षेत्रों में मानसूनी बारिश ने दस्तक दे दी है। 8 जून को दक्षिण-पश्चिम मॉनसून केरल में पहुंचा था और दो दिन बाद ही मॉनसून महाराष्ट्र में प्रवेश कर गया है। लेकिन हर साल की तुलना में इस साल महाराष्ट्र में मॉनसून चार से पांच दिन की देरी से आया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग आईएमडी के वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक केएस होसालिकर ने बताया कि महाराष्ट्र में मॉनसून रत्नागिरी तक पहुंच गया है। आईएमडी पुणे के प्रमुख होसालिकर ने यह भी कहा कि आज मॉनसून महाराष्ट्र के दक्षिण कोंकण के कुछ हिस्से, दक्षिण-मध्य महाराष्ट्र के कुछ हिस्से, पूरा गोवा, कर्नाटक और तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश के कुछ हिस्से में पहुंच गया हुए। इसके आगे बढ़ने के लिए परिस्थियां अनुकूल है। मौसम विभाग के मुताबिक, दक्षिण-पश्चिम मॉनसून फिलहाल महाराष्ट्र के रत्नागिरी पहुंचा है। जबकि कर्नाटक के शिमोगा, हसन समेत धर्मपुरी, श्रीहरीकोटा तक मॉनसून आया है। अरब सागर में चक्रवाती तूफान 'बिपरजॉय' के कारण मॉनसून के आगमन में देरी हुई। आखिरकार मॉनसून ने 8 जून यानी सात दिन की देरी से केरल में प्रवेश किया। मॉनसून आम तौर पर एक जून को केरल में प्रवेश करता है। उसके बाद 7 जून तक महाराष्ट्र में मॉनसून आता है।

शूटर विजय यादव की शादी की चल रही थी तैयारी, पिता का आया बयान

जौनपुर, 7 जून को गैंगस्टर मुख्तार अंसारी के गुर्गे संजीव जीवा की लखनऊ कोर्ट में पेशी थी। कोर्ट में शूटर विजय यादव ने संजीव जीवा को गोली मारकर हत्या कर दी। आरोपी विजय को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। वह जौनपुर का रहने वाला है। विजय के पिता श्यामा यादव ने मीडिया को बताया कि वह संजीव जीवा को पहले से नहीं जानते थे। संजीव जीवा ब्रह्मदत्त द्विवेदी हत्याकांड का मुख्य आरोपी था। श्यामा यादव ने कहा हमें नहीं पता था कि हमारा बेटा यह कर देगा। वो बचपन से कभी ऐसा नहीं रहा। उसने अच्छी पढ़ाई की, उसका स्वाभाव भी अच्छा था। उसने B.COM किया है। हमारे बेटे की कभी ऐसी संगत नहीं रही। उसकी बचपन से ऐसे लोगों से कभी दोस्ती नहीं रही। जब यह हुआ तो हम समझ नहीं पाए की ऐसा हो गया है। अपने बेटे पर पोक्सो के तहत के तहत दर्ज एक पुराने मामले को लेकर उन्होने कहा कि वो पहले ही खत्म हो चुका है। वो छह महीने जेल में भी रह कर आया था। संजीव जीवा को नहीं जानते थे। श्यामा यादव ने कहा कि वह संजीव जीवा को नहीं जानते थे। हां मुख्तार अंसारी के बारे में सुनते रहे थे। हम बहुत घबराए हुए हैं कि हमारा बेटा कैसे इस मामले में आ गया। श्यामा यादव ने कहा कि उनके पास बेटे के लिए वकील करने या कोर्ट जाने तक के पैसे नहीं हैं। वह अगले साल उसकी शादी करने वाले थे। बड़े बेटे ने घर बनाने की बात कही थी उसके बाद शादी करने वाले थे।

बेटे के सामने पति के दोस्त ने किया रेप ! विरोध करने पर दी धमकी?

गोरखपुर, योगी आदित्यनाथ प्रदेश में चाहे जीतना कानून के राज की बात कर ले लेकिन ऐसा होता दिखाई नहीं दे रहा है। प्रदेश में महिलाओं के खिलाफ लगातार अपराध बढ़ते जा रहे हैं। खुद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के शहर से ऐसी खबर आई है, जिसे सुनकर लोग हैरान हो गए। दरअसल गोरखपुर में पति के दोस्त ने ही महिला का उसके बच्चे के सामने रेप किया। इसका विरोध करने पर आरोपी ने महिला और उसके बच्चे को जान से मारने की धमकी भी दिया। महिला की शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। गोरखपुर के शाहपुर इलाके के एक मोहल्ले की रहने वाली महिला ने पुलिस को दी तहरीर में आरोप लगाया कि 3 जून को पति के दोस्त अभिषेक ओझा और आकाश पाण्डेय उसके घर आए। अभिषेक ओझा से महिला का पहले से संबंध था इसलिए वह अपने घर चलने के लिए उसे धमकी दे रहा था। महिला के मना करने के बाद भी वह उसके घर पहुंच गया। घर पर पति नहीं थे। बच्चा मौजूद था। अभिषेक के घर जाने से मना करने पर थाने चलने के लिए कहा। पीड़िता ने बताया कि जब वह अपने छोटे बेटे के साथ थाने जाने लगी तो आरोपी उसे थाना न ले जाकर सुनसान जगह पर ले गया और वहां बेटे के मौजूदगी में उसके साथ रेप किया। महिला ने जब इस बात का विरोध किया तो आरोपी ने उसे और उसके बेटे को पीटा। पीड़िता ने बताया कि आरोपी के पास उसकी अश्लील वीडियो है। वह इन सारे वीडियो को वायरल करने की धमकी देता है। वहीं, इस मामले में केस दर्ज करने के बाद रविवार को पुलिस ने मुख्य आरोपित अभिषेक को गिरफ्तार कर लिया।

सहायक शिक्षिका के पद पर नौकरी दिलाने के नाम पर 11 लाख की ठगी

आजमगढ़, आजमगढ़ पुलिस ने बलिया के बेल्थरा रोड निवासी एक युवक सहित चार पर धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज किया है। इस मामले में आजमगढ़ पुलिस ने रविवार की शाम बलिया के उभांव थानक्षेत्र के ससना बहादुपुर गांव में आरोपी मानवेंद्र बहादुर सिंह की तलाश में छापेमारी की। आरोप है कि आजमगढ़ निवासी बलिया में तैनात एक शिक्षक की पत्नी को सहायक शिक्षिका के पद पर नौकरी के नाम पर उससे 11 लाख रुपए की ठगी कर फर्जी नियुक्ति पत्र दिया गया था। आजमगढ़ पुलिस ने बताया कि ठगी के शिकार आजमगढ़ निवासी और नवानगर (बलिया) स्थित जनता इण्टर कालेज के शिक्षक चन्दन सिंह ने तहरीर देते हुए बताया कि बेल्थरारोड निवासी मानवेन्द्र बहादुर सिंह सहित चार लोगों ने उनकी पत्नी को सहायक शिक्षिका की नौकरी के नाम पर 11 लाख रूपए की ठगी की गई। भुक्तभोगी ने पुलिस को बताया कि ठगों ने पत्नी के नाम पर नियुक्ति पत्र भी दे दिया था। पत्नी को लेकर जब उक्त नियुक्ति पत्र के साथ गिरखपीर में संचालित रामकृष्ण कन्या जूनियर विद्यालय पहुंचा तो वहां के प्रबंधक ने नियुक्ति पत्र को फर्जी बताया तब मामले की पोल खुली। आजमगढ़ पुलिस के अनुसार सभी आरोपियों के संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। जल्द ही सभी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

पति-पत्नी में रात में हुई थी कहा-सुनी
सुबह पहुंचे पड़ोसी तो महिला को देख निकल गई चीख

आजमगढ़, आजमगढ़ के तरांव थानाक्षेत्र के टड़वा खास गांव में घर के अंदर महिला का रक्तरंजित शव मिलने से सनसनी फैल गई। घर का दरवाजा खुला होने और कोई हलचल न होने के बाद जब पड़ोसियों ने अंदर जाकर देखा तो उनकी चीख निकल गई। अंदर महिला शव बेड के नीचे खून से लथपथ पड़ा हुआ था और मृतका का पति मौके से फरार था। लोगों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मर्चरी भेजवा दिया है। इसी परिजन एक आने पर शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा। वहीं मौके से पति फरार मिला जिसकी पुलिस तलाश कर रही है। इस सम्बन्ध में सीओ लालगंज मनोज रघुवंशी ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी की तरांव थानाक्षेत्र के टड़वा खास गांव में एक घर में महिला की खून से लथपथ लाश मिली है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को देखा तो पाया कि उसके ऊपर लाठी-डंडे और किसी भारी चीज से प्रहार कर मौत के घाट उतारा गया है। मौके पर से पुलिस आवश्यक साक्ष्य कलेक्ट किए हैं। टड़वा खास गांव में ज्ञानेंद्र अपनी पत्नी आशा के साथ रहता है। उसके चार बच्चे हैं। ज्ञानेंद्र अपनी दो बेटियों की शादी कर चुका है और दोनों बेटे शहर से बाहर रोजी-रोटी कमाते हैं। ग्रामीणों के अनुसार अक्सर दोनों पति-पत्नी में कहासुनी होती थी। बीती रात भी काफी देर तक कहासुनी हुई थी। सुबह पड़ोसियों ने देखा तो ज्ञानेंद्र के घर का दरवाजा खुला हुआ था लेकिन कोई हलचल नहीं थी। सीओ ने बताया कि ग्रामीणों ने पुलिस को बताया कि इसके बाद जब हम लोग अंदर गए तो घर पर ज्ञानेंद्र नहीं था। बेड पर खून के धब्बे मिले वहीं बेड के नीचे आशा खून से लथपथ मिली। अंदर गई महिलाओं की चीख निकल पड़ी।

थोड़े दिनों में होगी मूसलाधार बारिश

इलाहाबाद, प्रदेश में गर्मी का सितम जारी है। प्रदेश में तापमान पिछले एक हफ्ते से चिलचिलाती गर्मी और उमस से परेशान है। लोग बेसब्री से बारिश का इंतजार कर रहे हैं। ऐसे में मौसम विभाग ने जो रिपोर्ट दी है उसने लोगों के चेहरे पर थोड़ा सुकून ला दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक अगले 6 दिन बाद प्रदेश में बारिश के साथ तेज हवाएं चलने की संभावना है। दक्षिणी-पश्चिमी मानसून इस बार सात दिन की देरी से केरल पहुंचा है। इसके यूपी पहुंचने के बारे में इसी आधार पर अनुमान लगाया जा रहा है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार मानसून कोलकाता और पटना से होते हुए प्रयागराज के रास्ते यूपी में प्रवेश करता है। इसके बाद यह कानपुर होते हुए दिल्ली तक जाता है। मौसम वैज्ञानिकों का अनुमान है कि 18 से लेकर 20 जून के बीच में सूबे में इसकी एंट्री हो सकती है। इस बार प्रयागराज के रास्ते मानसून के आने की संभावना है। तो ये मानकर चलिए कि 18 से 20 के बीच किसी भी दिन झमाझम बारिश आपको गर्मी से राहत दे सकती है। मानसून के दस्तक देने से पहले 14-15 जून तक गर्मी चरम पर रहेगी। प्रदेश में पूरब से लेकर मध्य और पश्चिम तक ये कहर बरपाती रहेगी।

विनोद एस.पी.सिंह
चीफ ब्यूरो- उत्तर प्रदेश
मो. 9415287895

भूमि विवाद लेकर डीएम कार्यालय पहुंचे थे जज साहब

जौनपुर, उत्तर प्रदेश के जौनपुर में जिलाधिकारी से खुद को बिजनौर का जिला जज बताकर मिलने वाले दो युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। जिलाधिकारी ने उनका हाव-भाव और बात करने का तरीका देखकर पुलिस को बुला लिया। पुलिस ने पूछताछ की तो मामला खुल गया। फिलहाल दोनों युवकों को जेल भेज दिया गया है। लाइन बाजार थाना प्रभारी संजय वर्मा ने बताया कि दो युवकों को जिलधिकारी कार्यालय से फर्जी जज बन रौब जमाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पकड़े गए युवक गोधना निवासी सौरभ शुक्ल और सलखापुर निवास श्याम श्रीवास्तव लाइन बाजार थानाक्षेत्र के रहने वाले हैं और दोनों का किसी से भूमि विवाद चल रहा है। दोनों में से एक ने खुद को बिजनौर का जिला जज बताकर डीएम को व्हाट्सअप पर मैसेज किया था। कुछ ही देर बाद के आरोपी ने डीएम के सीयूजी पर पर फोन किया और बताया कि वह बिजनौर का जिला जज बताया इसपर उन्होंने दोनों को अंदर बुला लिया। अंदर पहुंचने पर दोनों की उम्र देखकर डीएम को शक हुआ। फिर बातचीत के अंदाज ने शक को और गहरा कर दिया। डीएम ने तुरंत इस बारे में लाइन बाजार पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस दोनों को पकड़ कर थाने ले आई। वहां पूछताछ के बाद दोनों धोखाधड़ी सहित विभिन्न धाराओं में जेल भेज दिया गया।

राम मंदिर उद्घाटन से पहले योगी ने प्रतापगढ़ के लिए खोला खजाना

प्रतापगढ़, यूपी के प्रतापगढ़ जिले में लोगों को संबोधित करते हुए योगी आदित्यनाथ ने वहां के नागरिको का स्वागत किया और प्रतापगढ़ के लिए कहा कि न सौ पढ़ा न एक प्रतापगढ़ा। सभा में उनके साथ परिवहन मंत्री नितिन गडकरी भी मौजूद थे। केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कई परियोजनाओं का शिलान्यास किया। आज प्रतापगढ़ में मुख्यमंत्री योगी ने 4 लेन राजमार्ग का शिलान्यास किया। उन्होंने कहा प्रतापगढ़ को अयोध्या-सुल्तानपुर को जोड़ते हुए 4 लेन राजमार्ग का उपहार मिलने जा रहा है, अगले वर्ष अयोध्या मे भव्य राममंदिर को जाने के लिए इसका लाभ मिलेगा प्रतापगढ़ के बाईपास का भी आज शिलान्यास हुआ। संबोधन के दौरान उन्होंने नितिन गडकरी का धन्यवाद भी किया। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत के प्रत्येक नागरिक के मन में विकास की आकांक्षाएं हैं, इस भीषण गर्मी के बीच मे केंद्रीय मंत्री गडकरी जी विकास की नई धारा देने आये हैं, आज उत्तरप्रदेश प्रधानमंत्रीजी के नेतृत्व में विकास और कानून व्यवस्था के मामले में मिसाल बनी है, कानून व्यवस्था में उन्ही के लिए दिक्क़त होती है, जिनके अनैतिक कार्यों को हमने रोक दिया, उन्हीं को ज्यादा परेशानी है।

जयमाल के समय दूल्हे के कान में पड़ी दुल्हन की बात

देवरिया, उत्तर प्रदेश के देवरिया में एक शादी में उस समय खलबली मच गई, जब दूल्हे ने अचानक शादी से इनकार कर दिया। देवरिया के भटनी इलाके के गांव में बिहार से बारात आई थी। धूमधाम से बारात पहुंची तो लड़की के घरवालों ने भी अच्छे से स्वागात किया। खुशी-खुशी रस्में चल रही थीं। जयमाल के लिए सभी स्टेज पर थे। लड़की आने ही वाली थी कि दूल्हे ने शादी से इनकार कर दिया। स्टेज से नीचे आकर उसने कहा कि चाहे उसे मार डालो लेकिन ये शादी नहीं करूंगा। दूल्हे के अचानक इस तरह शादी से इनकार के बाद अफरातफरी का माहौल हो गया। दुल्हन पक्ष के लोगों ने इस पर गुस्सा जताया। दोनों तरफ के लोगों ने बैठकर दूल्हे से इस तरह से इनकार की वजह पूछी। दूल्हा शादी ना करने की दूल्हे ने बताया कि किसी ने दुल्हन की पुरानी जिंदगी और चरित्र के बारे में उससे कुछ रहा है। इस पर लोगों ने उसे समझाया कि किसी ने रिश्ता खत्म कराने की नीयत से ये काम किया है। पुलिस और परिजनों ने दबाव डाला तो वह शादी के लिए तैयार हो गया। इसके बाद शादी की बाकी रस्में हुईं और अगले दिन सुबह दुल्हन को विदा किया गया। ये मामला गांव में चर्चा विषय बना हुआ है।

अफजाल की संसद सदस्यता जाने पर बोले सपा विधायक
खत्म करना चाहती है सरकार-सिंह

गाजीपुर, बहुजन समाज पार्टी के सांसद अफजाल अंसारी की संसद सदस्यता जाने पर समाजवादी पार्टी के विधायक ओम प्रकाश सिंह का सोमवार को दर्द छलक गया। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि इस सरकार का एक ही मकसद है कि कैसे भी विपक्ष को खत्म किया जाए। देश में जब भी कुछ अच्छा होता है तो उसका श्रेय प्रधानमंत्री लेते है। लेकिन जब भी कुछ बुरा होता है तो उसकी जवाबदेही नहीं लेते। रेलवे के प्राइवेटाइजेशन के कारण ही देश में अब तक सबसे बड़ा रेल हादसा हुआ है। सपा सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे और वर्तमान में समाजवादी पार्टी के जमानियां विधानसभा से विधायक ओमप्रकाश सिंह से जब मीडिया ने मोदी सरकार के 9 साल पूरा होने पर सवाल किया। इस पर ओ पी सिंह ने कहा कि इस सरकार में डीजल और पेट्रोल के दाम आसमान छू रहे हैं। इस सरकार में भ्रष्टाचार, अत्याचार, दुराचार में बढ़ोतरी हुई है। यहां तक कि बॉर्डर पर देश की रक्षा करने वाले फौजियों की सेवा अवधि को बीजेपी सरकार ने कम कर दिया है। पूर्व मंत्री ने उड़ीसा में हुए रेल हादसे पर कहा कि प्राइवेटाइजेशन के नाम पर सरकार ने रेलवे को बर्बाद कर दिया है। हम पहली बार वह सुन रहे हैं कि आपस में तीन ट्रेनों का टकराव हुआ। इस रेल हादसे में सैकड़ों लोग मारे गए। सपा विधायक ने यह भी कहा कि कुछ भी बेहतर होता है तो उसका श्रेय सरकार लेती है। ऐसे में आखिर इतनी बड़ी रेल दुर्घटना की जिम्मेदारी कौन लेगा? इस दौरान पत्रकारों ने जब उनसे गाजीपुर में होने वाले उपचुनावों को लेकर सवाल भी किया। इस पर ओमप्रकाश सिंह ने कहा कि वह इन चुनावों में किसी तरह की कोई दावेदारी पेश नहीं करेंगे। वो इन चुनावों से दूर रहेंगे। इन चुनावों से उनका कोई वास्ता नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर पार्टी जिम्मेदारी भी देगी तो पार्टी आलाकमान से इस बारे में बातचीत करेंगे। उन्होंने खुलकर तो नहीं, लेकिन इशारों में अफजाल अंसारी की संसद सदस्यता खत्म होने पर अपनी संवेदना जाहिर की।

गोरखपुर में पारा रिकार्ड तोड़ने को आतुर फिलहाल हीट वेव से जल्द निजात नही

गोरखपुर, वायुमंडलीय परिस्थितियों की वजह से मौसम विभाग अब 14 जून से आंधी के साथ गरज-चमक के बीच बारिश होने की उम्मीद है। इसके बाद ही इस उमस भरी गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद है। वहीं, मानसून केरल में पहुंचकर ठहर गया है। मानसून की इस वायुमंडलीय परिस्थिति की वजह से गोरखपुर में मानसूनी वर्षा 22 से 25 जून तक ही मिलने की उम्मीद है। जिले में फिलहाल सूरज की गर्मी रिकार्ड तोड़ने को आतुर है। यह गर्मी फिलहाल अभी कम भी नहीं होने जा रही। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक दो दिनों तक अभी गर्मी का सितम जारी रहेगा। मौसम विभाग 14 जून के बाद ही मौसम में बदलाव की उम्मीद है। मौसम विभाग ने बारिश को लेकर अपना पूर्वानुमान दो दिन बढ़ा दिया है। वायुमंडलीय परिस्थितियों की वजह से मौसम विभाग अब 14 जून से आंधी के साथ गरज-चमक के बीच बारिश होने की उम्मीद है। इसके बाद ही इस उमस भरी गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद है। वहीं, मानसून केरल में पहुंचकर ठहर गया है। मानसून की इस वायुमंडलीय परिस्थिति की वजह से गोरखपुर में मानसूनी वर्षा 22 से 25 जून तक ही मिलने की उम्मीद है। मौसम विज्ञानी कैलाश पांडेय ने बताया, अगले दो दिन यानी सोमवार व मंगलवार को गोरखपुर और आसपास के क्षेत्र में हीट वेव की स्थिति रहेगी। यानी अधिकतम तापमान औसत से डेढ़ डिग्री सेल्सियस अधिक रहेगा। उधर, सोमवार को गोरखपुर का अधिकतम तापमान लगातार 7वें दिन 41°C से अधिक रहा। सोमवार का अधिकतम तापमान 41डिग्री सेल्सियस रिकार्ड हुआ, जो औसत से 4डिग्री सेल्सियस अधिक है। न्यूनतम तापमान में बीते दिन के मुकाबले बढ़ोतरी दर्ज की गई। यह 30डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो औसत से 4ष्टण अधिक रहा। इससे रात में दिन की तरह गर्मी का अहसास हुआ। मौसम विज्ञानी कैलाश पांडेय ने बताया, पूर्वी उत्तर प्रदेश में पड़ रही भीषण गर्मी के चलते गोरखपुर और आसपास के क्षेत्रों के निचले वायुमंडल में निम्न वायुदाब क्षेत्र बना हुआ है। ऐसे में बंगाल की खाड़ी की ओर से चल रही पुरवा नमी के साथ पूर्वी और सटे पश्चिमी बिहार तक पहुंच रही हैं। जिसके चलते पश्चिमी बिहार के ऊपरी वायुमंडल में चक्रवाती हवा का क्षेत्र बन रहा है। उधर, नमी ने गर्मी के चलते बादलों का रूप लेना भी शुरू कर दिया है। ऐसे में 14 जून से बारिश के आसार हैं।

यूपी में भाजपा विधायक को शस्त्र लाइसेंस नवीनीकरण के लिए देनी पड़ी रिश्वत

गाज़ियाबाद, बुलंदशहर जिले के सदर क्षेत्र से भाजपा विधायक प्रदीप चौधरी को अपने परिवार के शस्त्र लाइसेंस नवीनीकरण के लिए असलाह बाबू को रिश्वत देनी पड़ी। इस मामले में भाजपा विधायक प्रदीप चौधरी ने जिलाधिकारी गाजियाबाद आरके सिंह को पत्र लिखकर इस मामले की जानकारी दी है। लिखे पत्र में विधायक ने कहा है कि अपने परिवार के तीन लाइसेंस के नवीनीकरण के लिए शस्त्र लिपिक असलाह बाबू ने 35,500 रुपए की रिश्वत ली है। विधायक ने असलाह बाबू को अपना परिचय भी दिया। लेकिन इसके बाद भी असलाह बाबू ने उनकी नहीं सुनी। असलाह बाबू के दुस्साहस की हद उस समय हो गई जब उसने बेखौफ इतना तक कह दिया कि यहां पर बिना सुविधा शुल्क कोई काम नहीं होता। मामला सत्तादल के विधायक से जुड़ा होने पर डीएम के निर्देश पर सीडीओ ने मामले की जांच शुरू कर दी है। बताया जाता है कि बुलंदशहर के सदर क्षेत्र के विधायक प्रदीप चौधरी का परिवार गजियाबाद के इंदिरापुरम में रहता है। विधायक और उनके परिवार के शस्त्र लाइसेंस गाजियाबाद से बने हैं। विधायक ने बताया कि उन्हें अपनी पिस्टल, रायफल और अपने भाई जीतपाल की पिस्टल के लाइसेंस का नवीनीकरण कराना था। नवीनीकरण का शुल्क 12, 500 रुपए बैठता है। लेकिन असलाह बाबू ने उनसे 48,000 रुपए की मांग कर डाली। असलाह बाबू ने कहा कि जितने रुपए मांगे हैं, उतने तो देने होंगे। मजबूरी में विधायक को अपने शस्त्र लाइसेंस नवीनीकरण के लिए ये रुपए देने पड़े। इसके बाद उन्होंने 15 अप्रैल को मामले की शिकायत डीएम से की। डीएम का कहना है कि शिकायत मिलने पर इसकी जांच सीडीओ को सौंप दी है। दूसरी ओर असलाह बाबू शैलेष गुप्ता का कहना है कि शस्त्र लाइसेंस के नवीनीकरण से संबंधी कार्य कई आफिसों में होते हैं। विधायक से रिश्वत किसी और ने ली होगी। विधायक उनके पास आए ही नहीं। वहीं दूसरी ओर विधायक प्रदीप चौधरी का कहना है कि भाजपा की सरकार में भ्रष्टाचार की जगह नहीं है। इसके बावजूद कर्मचारी और अधिकारी सरकार की छवि खराब करने के लिए ऐसे कार्य कर रहे हैं। भ्रष्टाचार मामले में किसी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं होगी। इस मामले में कड़ी जांच होनी चाहिए। अगर पारदर्शी तरीके से जांच नहीं हुई तो वो इस मामले को विधानसभा में उठाएंगे।

14 साल की लड़की से इतनी हैवानियत ! पोस्टमार्टम रिपोर्ट ने उड़ा दिए होश

बस्ती, बस्ती में 14 साल की लड़की के साथ तीन लड़कों ने हैवानियत की सारी हदें पार कर दीं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट बनाते समय डॉक्टरों के भी होश उड़ गए। इतना ही नहीं, पोस्टमार्टम रिपोर्ट देखकर पुलिसकर्मियों की आंखों में आंसू आ गए। दरअसल, बीते सोमवार यूपी के बस्ती से हैवानियत की सभी हदें पार कर देने वाली एक घटना सामने आई थी। एक 14 साल के नाबालिग बच्ची के साथ तीन युवकों ने दुष्कर्म किया। इस मामले की जांच में पुलिस के सामने तीन लोगों का नाम सामने आया था जिसमें से दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया था और एक आरोपी फरार है। पुलिस शव को अपने कब्जे को लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था। 14 साल की नाबालिग बच्ची के साथ हुई हैवानियत की कहानी को पोस्टमार्टम रिपोर्ट बयां कर रही है। रिपोर्ट में नाबालिग के साथ जिस तरह से हैवानियत हुई है उसे सुन कर आपकी रूह कांप जाएगी। बता दें कि आरोपी पहले लड़की को अगवा करके कमरे में ले गए जहां पर बारी-बारी से तीनों ने रेप किया। रेप के दौरान नाबालिग लड़की को ज्यादा ब्लीडिंग होने से वो कोमा में चली गई। लेकिन हवसी दरिंदों को उस मासूम पर तनिक भी तरस नहीं आया। कोमा में जाने के बाद भी दरिंदे उसे नोचते रहे और अंत में नाबालिग की मौत हो गई। बीते सोमवार के दिन नाबालिग युवती शाम के 4 से 5 बजे बीच घर से बाहर सब्जी खरीदने गई थी। उसी समय आरोपी कुंदन सिंह के घर के पास लड़की का अपहरण कर उसके साथ तीन युवकों ने दुष्कर्म किया। दुष्कर्म के समय लड़की कोमा में चली गई और मौत हो गई। लड़की के मौत के बाद तीनों आरोपियों ने लड़की को घर के बाहर फेंक दिया और फरार हो गए। जब शाम तक लड़की घर नहीं पहुंची तो परिजनों ने तलाश शुरू की लेकिन लड़की का कोई पता नहीं चल गया। किसी अज्ञात व्यक्ति ने फोन पर बच्ची के बारे में सूचना दी।

विनाशकारी तूफानों का केंद्र बन रहा अरब सागर
बिपरजॉय मचाएगा तबाही?

अरब सागर में बना चक्रवात तूफान बिपरजॉय अब विकराल रूप ले चुका है। बिपरजॉय भारत की ओर बढ़ रहा है,जो अगले दो दिनों में भारतीय तट से टकराएगा। अरब सागर में बिपरजॉय इस साल साल का बना पहला चक्रवाती तूफान है। वैज्ञानिकों का मानना है कि अरब सागर में जितने खतरनाक तूफान अभी बनने लगे हैं, पहले ऐसे नहीं बनते थे। साइक्लोन शब्द साइक्लोस से बना है, जो ग्रीक शब्द से लिया गया है। साइक्लोस का अर्थ होता है कि सांप की कुंडली। वहीं, चक्रवात शब्द की खोज हेनरी पिडिंगटन ने की थी, जो एक ब्रिटिश अधिकारी थे। इस शब्द के पीछे की कहानी है कि बंगाल की खाड़ी और अरब सागर में तूफान सांपों की कुंडली की तरह दिखाई देते हैं। कहा जाता है कि 18 के दशक में एक ब्रिटिश निजी कंपनी ने जनरल लॉर्ड कैनिंग के नाम पर सुंदरबन में बंदरगाह का निर्माण किया था। उसी समय हेनरी पिडिंगटन ने उसे चेतावनी दी थी कि एक उस इलाके में एक चक्रवात बन रहा है, जो सब कुछ खत्म कर देगा। पोर्ट बनने के 14 साल बाद उसकी चेतावनी सच साबित हुई और ऐसा तूफान आया, जो सब कुछ खत्म कर दिया। पिछले कई दशकों में देखा गया है कि अरब सागर में काफी खतरनाक तूफान बनने लगे हैं, जबकि पहले ऐसा नहीं था। पहले बंगाल की खाड़ी को विनाशकारी तूफानों के लिए अधिक जिम्मेदार माना जाता था, लेकिन अरब सागर में भी भीषण तूफान बनने लगे हैं। 1982 से 2000 के बीच अरब सागर में चक्रवात तूफानों में 52 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। अरब सागर में चक्रवात तूफानों में वृद्धि के पीछे जलवायु परिवर्तन एक वजह माना जा रहा है। वैज्ञानिकों का मानना है कि पिछले कई दशकों में जलवायु परिवर्तन के कारण चक्रवातों में वृद्धि हुई है। उनका कहना है कि जलवायु परिवर्तन के कारण समुद्र पर काफी असर पड़ा है। जलवायु परिवर्तन के प्रभाव के कारण समुद्र का तापमान बढ़ रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 1979 से लेकर 2022 तक अरब सागर में 11 चक्रवात तूफान बने हैं। इनमें से 2007 से 2022 के बीच छह चक्रवाती तूफान बने थे। वहीं, विनाशकारी चक्रवात तूफान निसर्ग भी अरब सागर में ही बना था, 2020 में बना ये चक्रवात भीषण तबाही मचाई थी। साथ ही 2019 में आये 'वायु' तूफान भी अरब सागर में ही बना था। चक्रवात बिपरजॉय का नाम बांग्लादेश ने रखा है। हिंद महासागर क्षेत्र में इसकी शुरुआत 2004 में हुई। हिंद महासागर क्षेत्र के आठ देशों में भारत, बांग्लादेश, मालदीव, म्यांमार, ओमान, पाकिस्तान, थाइलैंड और श्रीलंका शामिल हैं। इसके अलावा ईरान, कतर, सऊदी अरब और यूएई और यमन को को वर्ष 2019 में शामिल किया गया।

निर्मल नगर पुलिस स्टेशन अन्तर्गत
खुला मटका जुगार अड्डा !

खार पूर्व, राज्य में तो भ्रष्टाचार चरम पर है, यहां का शासन प्रशासन इतना करप्ट है कि मौत के सौदागरों से भी हप्ता लेकर आम जनता के जीवन से खिलवाड़ करती है। महाराष्ट्र सरकार द्वारा राज्य में झटपट लाटरी, मटका जुगार व अवैध ड्रग्स कारोबार पर रोक लगा रखी है, परंतु शासन प्रशासन के आंख के नीचे अवैध कारोबारी एवं जुगार माफिया सक्रिय हैं, वही द रेड स्टार न्यूज़ पेपर द्वारा बार बार खबर प्रकाशित करने के बावजूद लगता है कि महाराष्ट्र सरकार और मुंबई पुलिस तथा संबंधित अधिकारी जुगार माफियाओ के आगे नतमस्तक हो गये है। महाराष्ट्र के हर जिले व शहर में मटका जुगार व अवैध कारोबार का ही बोलबाला है। यहाँ बताते चले कि अवैध कारोबारियों एवं जुगार माफियाओ की इतनी हिम्मत बढ़ गई है कि वो लोगों की जिंदगियों से भी खिलवाड़ करने में नहीं हिचकते ? महाराष्ट्र के गृहमंत्री देवेंद्र फडणवीस चाहे जितना भी भ्रष्टाचार पर भाषण देते रहे परंतु इनके भाषण पर प्रशानिक अधिकारियों को कोई फर्क नहीं पड़ता। जहां प्रदेश के हर कोने में अवैध धंधे व जुगार माफियाओं की भरमार है, इसी तरह स्थानीय रहिवाशियो द्वारा खबर मिली है कि परिमंडल 08 के निर्मल नगर पुलिस स्टेशन परिक्षेत्र के अलग अलग परिसर में सुरेश पालखी द्वारा खार रेलवे ब्रिज के सामने की गली में, विठ्ठल अन्ना द्वारा बहराम पाइप लाइन के अन्दर सीबू बार के पिछे एवं उमेश अन्ना द्वारा स्थानीय पुलिस स्टेशन से कुछ मीटर की दुरी पर मच्छी मार्किट के पास मटका जुगार बोंल-गेम, शोरट, तितली-कबूतर, जन्ना-मन्ना, चक्री, अन्दर बाहर, गुड़-गुड़ी, पताड़ा, मेंन स्टार-लाइन एवं 20-25 राइटरों के माध्यम से बड़े पैमाने पर जुगार का व्यवसाय स्थानीय गुंडों, मवालियों व शराबियो के जमावड़ो को साथ लेकर वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को गुमराह करके देर रात तक जुगार चलाया जा रहा है? उक्त मामले में स्थानीय रहिवाशियो व शिकायतकर्ताओं ने शासन प्रशासन से गुहार लगाई है कि जुगार के उक्त रैकेट को वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के मार्गदर्शन में साइबर सेल व क्राइम ब्रांच से संयुक्त जाँच कराकर एवं जुगार चलाने वाले सभी जुगार माफियाओं को तड़ीपार कर क्षेत्र में अमन शांति कायम करने में समाजसेवी संस्थाओं एवं रहिवासियों की मदत करें ..

विवेक फणसळकर : आयुक्त-मुंबई पुलिस

जुगार माफियाओं से साँठ गाँठ करके मुख्यमंत्री व वरिष्ठ अधिकारियों के आदेश को कूड़ेदान में डालती निर्मल नगर पुलिस ?

महिला मित्र को कॉकपिट में बुलाना
दो पायलट को पड़ा महंगा

नई दिल्ली, अपनी महिला मित्र को कॉकपिट में आमंत्रित करने पर एयर इंडिया के एक पायलट को उड़ान भरने से रोके जाने के एक महीने बाद फिर ऐसा ही एक नया मामला सामने आया है। दरअसल, एयरलाइन ने पिछले सप्ताह दिल्ली-लेह उड़ान के कॉकपिट में एक महिला को आमंत्रित करने के मामले में अब दो पायलटों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की है। ऐ-445 विमान के कॉकपिट में एक अनधिकृत महिला यात्री के प्रवेश करने के संबंध में केबिन क्रू से शिकायत मिलने के तुरंत बाद एयर इंडिया प्रबंधन ने पायलट और सह-पायलट के खिलाफ कार्रवाई की। एयर इंडिया के एक शीर्ष अधिकारी ने बताया ऐ-445 पायलट की एक महिला मित्र ने नियमों का पालन किए बिना कॉकपिट में प्रवेश किया, दोनों पायलटों को एयर इंडिया द्वारा ग्राउंड/ऑफ-रोस्टर कर दिया गया है। घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए नागरिक उड्डयन निदेशालय डीजीसीए ने कहा डीजीसीए इस मुद्दे से अवगत है और इस मामले में प्रक्रियाओं के अनुसार आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। हालांकि, एयर इंडिया की ओर से अब तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। एक अधिकारी ने बताया, एयर इंडिया ने इस मामले की विस्तार से जांच के लिए एक समिति बनाई है। लेह मार्ग सुरक्षा के लिहाज से देश के सबसे कठिन और संवेदनशील हवाई मार्गों में से एक है और एक वाणिज्यिक विमान में किसी अनाधिकृत व्यक्ति को कॉकपिट में अनुमति देना कानून का उल्लंघन है। विमानन विशेषज्ञ विपुल सक्सेना ने कहा लेह हवाई अड्डे पर उतरना उच्च ऊंचाई वाले पहाड़ी इलाकों के कारण देश भर में सबसे कठिन परिचालनों में से एक है और देश के रक्षा बलों के ठिकानों की उपस्थिति के कारण भी संवेदनशील है। इसके अलावा, इस इलाके में संचालन के लिए अच्छे स्वास्थ्य रिकॉर्ड की आवश्यकता होती है। ऑक्सीजन का स्तर और इसके कारण अच्छे स्वास्थ्य रिकॉर्ड वाले अत्यधिक कुशल पायलटों को ही लेह संचालन के लिए तैनात किया जाता है। डीजीसीए ने हाल ही में एयर इंडिया के एक पायलट का लाइसेंस निलंबित कर दिया, जिसने 27 फरवरी को दुबई से दिल्ली मार्ग पर एयर इंडिया की उड़ान ऐ-915 के कॉकपिट में अपनी महिला मित्र का स्वागत किया। डीजीसीए ने एयरलाइन पर 30 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया था।

नीतीश कुमार को झटका
जीतन राम मांझी के बेटे ने दिया इस्तीफा

पटना, साल 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले विपक्षी दलों को एकजुट करने का प्रयास करने वाले नीतीश कुमार को बड़ा झटका लगा है। बिहार में महागठबंधन में शामिल जीतन राम मांझी की पार्टी हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा सेक्युलर ने पल्ला झाड़ लिया है। जीतन राम मांझी के बेटे डॉ. संतोष सुमन ने नीतीश कैबिनेट से इस्तीफा दे दिया है। बिहार सरकार में अपने मंत्रीपद से इस्तीफा देने के बाद संतोष सुमन ने कहा कि हमारी पार्टी का अस्तित्व खतरे में था उसको बचाने के लिए हमने ये कदम उठाया है। मैं महागठबंधन आज भी रहना चाहता हूं। एनडीए में शामिल होने के सवाल पर संतोष सुमन ने कहा कि अभी मैंने ऐसा कुछ नहीं सोचा है। गौरतलब है कि लंबे समय से जीतन राम मांझी के एनडीए में शामिल होने की अटकलों का दौर चल रहा था। जीतन राम मांझी के बेटे संतोष सुमन मांझी ने नीतीश कैबिनेट से इस्तीफा देकर सबको हैरान कर दिया है। वित्त मंत्री विजय चौधरी से मुलाकात के बाद सुमन मांझी ने इस्तीफा दिया है। संतोष सुमन नीतीश सरकार में अनुसूचित जाति-जनजाति कल्याण मंत्री का पद संभाल रहे थे। जीतन राम मांझी के दल हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा ने भी संतोष सुमन के इस्तीफे की पुष्टि कर दी है। हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा की ओर से बताया गया है कि जदयू की तरफ से लगातार पार्टी को विलय करने का दबाव बनाया जा रहा था। हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा सेक्युलर के बचाने के लिए यह फैसला लेना पड़ा है। पार्टी के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी सह राष्ट्रीय प्रवक्ता अमरेंद्र कुमार त्रिपाठी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा सेक्युलर गरीबों के हितों की रक्षा के लिए बनी है। कार्यकर्ताओं के सम्मान को देखते हुए डॉक्टर संतोष कुमार सुमन मांझी ने मंत्री पद से इस्तीफा दिया है।

सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाए गये 20 हजार से ज्यादा लोग, गृहमंत्री ने ली समीक्षा बैठक

दिल्ली, मौसम विभाग ने चक्रवात बिपरजॉय से भारी नुकसान की आशंका जताई है। खास तौर पर गुजरात के कच्छ, देवभूमि द्वारका और जामनगर जिले इससे सबसे ज्यादा प्रभावित हो सकते हैं। बारिश और तूफान की वजह से निचले इलाकों में बाढ़ आने की भी आशंका है। मंगलवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने चक्रवाती तूफान बिपरजॉय की तैयारियों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। दिल्ली के विज्ञान भवन में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के आपदा प्रबंधन मंत्रियों के साथ आयोजित बैठक के बाद गृहमंत्री ने कहा कि पिछले 9 सालों में केंद्र सरकार और राज्यों ने इस मामले में काफी प्रगति की है, लेकिन हम संतुष्ट नहीं रह सकते। अब आपदाओं ने अपना रूप बदल लिया है और उसकी तीव्रता और बढ़ गई है। ऐसे में हमें और व्यापक योजना बनानी होगी।कच्छ में मौजूद केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने दावा किया है कि केंद्र और राज्य सरकार चक्रवात से निपटने के लिए पूरी तरह से तैयार है। उन्होंने कहा कि हम किसी भी स्थिति से निपटने के लिए सहयोग करेंगे और जरूरत पड़ी तो सेना की भी मदद ली जाएगी। मंगलवार को बचाव अभियान को और तेज कर दिया गया है। सरकार तट से 10 किलोमीटर के इलाके में रह रहे लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचा रही है। NDRF और एउेंइ के 12-12 दलों को चक्रवात से प्रभावित होने वाले जिलों में तैनात किया गया है और लोगों के रहने, खाने और दवाओं की व्यवस्था की गई है।

योगी मेधावियों को करेंगे सम्मानित

लखनऊ, हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की वर्ष-2023 की बोर्ड परीक्षा में राज्य स्तर पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले मेधावियों को बुधवार को सम्मानित करेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ राजधानी के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित समारोह में मेधावियों को सम्मानित करेंगे। इससे पहले सीएम योगी इसी दिन माध्यमिक शिक्षा विभाग की ओर से लोकभवन में आयोजित समारोह में भी मेधावियों को सम्मानित करेंगे। राज्य स्तरीय सम्मान समारोह में यूपी माध्यमिक शिक्षा परिषद के राज्य स्तर पर प्रथम पांच स्थान पाने वाले, संस्कृत शिक्षा परिषद, सीबीएसई व आईसीएससीई के सर्वोच्च 10-10 मेधावी विद्यार्थियों, कुल 141 मेधावियों व उनके माता-पिता को राज्य स्तर पर सम्मानित किया जाएगा। राज्य सरकार की तरफ से इन्हें डीबीटी के माध्यम से एक लाख रुपये, एक टैबलेट, प्रशस्ति पत्र व मेडल दिए जाएंगे। माध्यमिक शिक्षा निदेशक केके गुप्ता ने कहा है कि मेरिट में राज्य स्तर पर छह से दस स्थान पर रहने वाले 384 मेधावियों को जिला स्तर पर आयोजित कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों व जिलाधिकारी की ओर से सम्मानित किया जाएगा। यूपी बोर्ड के जिला स्तर के प्रथम 10-10 मेधावियों, कुल 1220 को भी सम्मानित किया जाएगा। इन्हें 21-21 हजार रुपये डीबीटी के माध्यम से खाते में, एक टैबलेट, प्रशस्ति पत्र व मेडल दिए जाएंगे।

नर्मदा आरती के दौरान
प्रियंका वाड्रा ने कर दी गलती

जबलपुर, प्रियंका वाड्रा मध्य प्रदेश के जबलपुर में है जहां उन्होंने कांग्रेस के लिए चुनावी शंखनाद किया। जबलपुर पहुंचने पर प्रियंका वाड्रा सबसे पहले नर्मदा घाट पहुंचीं और आरती में हिस्सा लिया, लेकिन इस दौरान उन्होंने एक गलती कर दी, जिस पर भाजपा ने निशाना साधा। नर्मदा आरती के दौरान प्रियंका के एक तरफ कमल नाथ और दूसरी तरफ विवेक तन्खा खड़े थे। सभी नेता आरती कर रहे थे। प्रियंका ने नर्मदा जी की आरती उतारने के बाद आरती विवेक तन्खा को दी। इस दौरान आरती पूरी नहीं हुई थी, लेकिन प्रियंका ने खुद आरती ले ली। नियमानुसार, आरती पूरी होने के बाद पहले भगवान को आरती दी जाती है, फिर खुद ली जाती है, लेकिन प्रियंका गलती कर कर गईं। भाजपा ने यह वीडियो शेयर करते हुए निशाना साधा। मध्य प्रदेश भाजपा के ट्विटर हैंडल पर लिखा गया ढोंग और आस्था में यही फर्क है। प्रियंका गांधी को इतना नहीं पता कि आरती पहले भगवान को दी जाती है फिर इंसान लेते हैं। इसलिए ही इन्हें चुनावी हिंदू कहा जाता है। भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने इस ट्वीट को रीट्वीट करते हुए लिखा, भगवान से पहले खुद आरती लेना और देश से पहले गांधी परिवार की आरती उतारना यही इन कांग्रेसियों की पहचान है। वीडियो पर एक यूजर ने कमेंट लिखा, उन्होंने प्रियंका वाड्रा खुद आरती करके आरती ले ली, लेकिन आप जिस तरह से पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ आरती कर रहे हैं, उनको भी देखना चाहिए था। उनको लगता है आरती ऐसे की जाती है। आप देखेंगे नर्मदा नदी के अंदर जो जल प्रभावित हो रहा है, इस जल में कांग्रेस पार्टी जल समाधि लेगी।

ऑनलाइन गेमिंग की आड़ में धर्मांतरण का जाल

नई दिल्ली, ऑनलाइन गेमिंग के जरिए बच्चों का धर्मांतरण कराने वाले गिरोह में शामिल शाहनवाज खान उर्फ बद्दो को पुलिस ने रविवार को मुंबई से गिरफ्तार कर लिया है। इसके जरिए पुलिस कई अहम और ठोस बातों का पता लगा सकती है। अब तक हुई जांच के मुताबिक बद्दो को ही इस गिरोह का मास्टरमाइंड माना जा रहा है। यह मामला 31 मई, 2023 को सामने आया। दरअसल गाजियाबाद के एक हिंदू परिवार ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई कि किसी ने उनके बच्चे को बहला-फुसलाकर उसका धर्मांतरण कर दिया है। दरअसल, बच्चा अपने घर से बोलकर जाता था कि वो जिम जा रहा है, जबकि वो मस्जिद में नमाज पढ़ने जाया करता था। अचानक एक दिन परिवार को शक हुआ कि वो जिम का नाम लेकर दिनभर में पांच बार कुछ देर के लिए गायब हो जाता था। इसके बाद परिवार ने उसका पीछा किया और उनके होश उड़ गए, जब उन्होंने देखा कि उनका बेटा हिंदू होते हुए मस्जिद में नमाज पढ़ने जा रहा है। घर आने के बाद परिवार वालों ने बच्चे को डांट लगाते हुए धमकी दी कि अगर वो यह सब नहीं छोड़ेगा, तो उसे घर से निकाल देंगे। इसपर भी बच्चे ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि वो मस्जिद में रह लेगा, वहां सबके लिए जगह है। बेटे की बात सुनकर घरवाले डर गए और उससे पूरी बात जानने की कोशिश की। आखिर में परिजनों को केवल पुलिस ही एकमात्र सहारा नजर आया। परिजन अपने बच्चे के साथ पुलिस स्टेशन गए, जहां उस बच्चे ने पुलिस को इस बारे में बताया और खुलासा हुआ कि ऑनलाइन गेमिंग के जरिए बच्चों का धर्मांतरण किया जा रहा है। पुलिस ने अपनी शिकायत में मौलवी अब्दुल रहमान और शाहनवाज उर्फ बद्दो के खिलाफ मामला दर्ज किया और उनकी तलाश में जुट गई। बच्चे ने पुलिस को बताया कि ऑनलाइन गेमिंग के जरिए वो शाहनवाज के संपर्क में आया और इसके बाद उसका झुकाव इस्लाम की ओर बढ़ने लगा। बच्चे ने बताया कि उसने बद्दो के कहने पर इस्लाम कबूल कर लिया। ऑनलाइन गेमिंग के जरिए बच्चों का धर्मांतरण तीन चरणों में किया जाता है। पहले चरण में बच्चों के साथ ऑनलाइन गेम खेला जाता था। दूसरे चरण में बच्चों से चैटिंग की जाती थी और उन्हें इस्लाम के फायदे बताए जाते थे और तीसरी बार में बच्चे को एफिडेविट पर हस्ताक्षर कराए जाते थे कि उन्होंने अपनी मर्जी से धर्मांतरण किया है।

सतपुड़ा भवन में भीषण आग पर
दूसरे दिन पाया काबू, सीएम ने बनाई जांच कमेटी

पचमढ़ी, राजधानी में सतपुड़ा भवन के स्वास्थ्य संचालनालय कार्यालय में भीषण आग लग गई। आग में दस्तावेज जलकर खाक हो गए। भीषण आग के बाद सतपुड़ा भवन को खाली करा लिया गया। आग की वजह से आसपास दो किलोमीटर के दायरे में धुआं ही धुआं नजर आ रहा था। आग से किसी तरह की जनहानि की सूचना अब तक नहीं है। आग से चार मंजिलों में रखी सभी तरह की फाइलें और सामान पूरी तरह जलकर हुआ खाक। रात सवा ग्यारह बजे चौथी मंजिल पर फरि आग भड़क उठी। देर रात वायु सेना टीम सतपुड़ा भवन पहुंच गई। एडीजी फायर आशुतोष राय ने कहा कि प्रथमदृष्टया यही लगता है कि एसी में शार्ट सर्किट की वजह से आग लगी है। सोमवार शाम चार बजे लगी आग पर मंगलवार सुबह 8 बजे तक टीम ने काबू पा लिया था। हालांकि सुबह साढ़े नौ बजे तक भी 6वें फ्लोर से धुआं उठता देखा गया। यह देखते हुए फायर फाइटर्स की टीम को वहां भेजा गया। मंगलवार सुबह करीब पौने दस बजे कर्मचारी भी दफ्तर पहुंचने लगे। वे सड़क के पार बैठे हैं और अपने कार्यालय की हालात देखकर परेशान है, आने वाले दिनों में इनके सामने कई समस्याएं आने वाली हैं। उधर, सतपुड़ा भवन में आग लगने के चलते मंगलवार को सतपुड़ा भवन स्थित कार्यालय के लिए अवकाश घोषित किया गया है। सामान्य प्रशासन विभाग ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है। इसकी सूचना मिलने के बाद कर्मचारी अपने-अपने घरों की ओर वापस लौट गए। सतपुड़ा भवन से निकलने के चार गेट हैं। कोरोना काल में दो गेट बंद कर दिए गए। इनमें से एक गेट तो खुल गया, लेकिन वन विभाग की ओर का गेट अब भी बंद है। आपातकालीन सीढियों पर पुराने टूटे हुए कुर्सी-टेबल पड़े हैं। ऐसे में इस टावर के भी आपातकाल में कर्मचारी फंस सकते हैं। उधर सीएम शिवराज ने आज प्रातः 10 सतपुड़ा बिल्डिंग में आगजनी की घटना को लेकर रिव्यू बैठक बुलाई। इस बैठक में मुख्य सचिव, डीजीपी सहित मंत्री नरोत्तम मिश्रा, प्रभु राम चौधरी, अधिकारियों में राजेश राजौरा, मो. सुलेमान, नीरज मंडलोई सहित सबंधित अधिकारी शामिल हैं। बैठक मुख्यमंत्री निवास कार्यालय समत्व में आयोजित की गई। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के निर्देश पर गठित अफसरों की टीम दोपहर करीब एक बजे सतपुड़ा भवन में जांच के लिए पहुंची। जांच दल के सदस्य गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव राजेश राजौरा ने कहा कि शुरुआती जायजा लिया है। फिलहाल आग लगने के कारणों पर कुछ कहना जल्दबाजी होगा। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष डा.गोविंद सिंह सतपुड़ा भवन में लगी आग के बाद स्थिति देखने के लिए विधायकों के साथ पहुंचे, पर उन्हें अंदर नहीं जाने दिया गया। पुलिसकर्मियों ने उन्हें प्रवेशद्वार पर ही रोक दिया। डा. सिंह ने कहा कि यह जनप्रतिनिधियों का अपमान है। आखिर डर किस बात का है। ई-टेंडर से लेकर करोड़ों रुपये के घोटाले हुए हैं, जिन्हें दबाया जा रहा है। पर अब सरकार कुछ भी कर ले, ये घोटाले छुपने वाले नहीं हैं। डा. सिंह के साथ पीसी शर्मा, फुंदेलाल सिंह मार्को, सुनील सराफ सहित अन्य विधायक पहुंचे थे। रोके जाने पर वह गेट के बाहर ही धरने पर बैठ गए।रात साढ़े तीन इंदौर से भी फायर अमला मौके पर पहुंचा और आग बुझाने के प्रयासों में जुट गया।

मेनोपॉज के दौरान होने वाले मूड स्विंग्स को कंट्रोल करते हैं ये योगासन

मेनोपॉज महिलाओं में एक उम्र पार करने के बाद होने वाली नेचुरल प्रक्रिया है जिसका सामना हर महिला को करना पड़ता है। मेनोपॉज औसतन 45 से 50 वर्ष की आयु के आसपास शुरू होता है, लेकिन कई बार यह 40 साल की उम्र में भी हो सकता है, जिसे प्रीमैच्योर मेनोपॉज कहा जाता है। किसी महिला को किस उम्र में मेनोपॉज होगा, यह ज्यादातर उसके जीन पर डिपेंड करता है। यह हार्मोनल और शारीरिक बदलावों से जुड़ा होता है। मेनोपॉज होने के बाद तेज़ी से वजन भी बढ़ने लगता है। साथ ही थकान, आलस, रात में सोते वक्त पसीना आना जैसी कई समस्याएं भी हो सकती हैं ।

1. सुखासन- ये आराम से बैठकर किया जाने वाला एक बहुत ही आसान आसन है लेकिन इसके कई सारे फायदे हैं। इसका रोजाना थोड़े देर का अभ्यास आपको स्ट्रेस फ्री रखता है और तो और मेनोपॉज के लक्षणों को भी कम करता है। इसके अलावा इससे मसल्स स्ट्रॉन्ग होती है और जोड़ों में दर्द की समस्या भी दूर होती है।

2. उत्तानासन - इस आसन को करने से बॉडी की बहुत ही अच्छी स्ट्रेचिंग हो जाती है। इसे करने से भी मेनोपॉज के लक्षण कम होते हैं साथ ही यह हार्मोन्स को भी संतुलन में रखता है।

3. सलंब सर्वांगासन- मेनोपॉज की वजह से अगर आप लगातार डिप्रेशन में हैं, तो इस आसन को अपने रूटीन में शामिल करें। इससे तनाव, थकान दूर होता है, साथ ही शरीर में हार्मोनल बदलाव की वजह से होने वाला मूड स्विंग से दूर होते हैं।

4. ताड़ासन- इससे मसल्स में खिंचाव आता है, जिससे दर्द व सूजन की समस्या कम होता है। साथ ही यह पेट और हिप एरिया को मजबूत बनाता है, जिससे मेनोपॉज के लक्षण कम होते हैं। इसके अलावा इससे हार्मोन्स भी बैलेंस रहते हैं।

तेज पत्ते के हैरान करने वाले अनोखे फायदे

भारतीय मसालों में शामिल तेज पत्ते का इस्तेमाल लगभग हर तरह के व्यंजनों में किया जाता है। चाहे कोई बिरयानी हो या फिर कोई पाकवान। इन खानों का स्वाद तेज पत्ते के बिना अधूरा है। इतना ही नहीं, ये व्यंजनों की खुशबू बढ़ाने में भी मदद करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं, तेज पत्ता खाने का स्वाद बढ़ाने के अलावा आपकी सेहत के लिए भी अच्छा है। इसमें कैल्शियम, पोटैशियम, कॉपर, जिंक, आयरन मैग्नीशियम जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। जो कई तरह के इंफेक्शन से बचाने के साथ तनाव को भी कम करने में मदद करते हैं।

डायबिटीज के मरीजों के लिए तेज पत्ते का सेवन काफी फायदेमंद माना जाता है। यह आपके शुगर लेवल को कम कर सकता है और टाइप 2 डायबिटीज निपटने में कारगर साबित हो सकता है। इसके अलावा यह बैड कोलेस्ट्रॉल के स्तर को भी कम करता है। तेज पत्ते शरीर से टॉक्सिक पदार्थों को निकालने में मदद करते हैं। यह गुर्दे के स्वास्थ्य में सहायता करता है। इसके अलावा, तेज पत्ते में पाए जाने वाले कार्बनिक यौगिक पेट खराब होने, इर्रिटेबल बाउल सिंड्रोम को कम करने में मदद करते हैं। ये पत्ते पाचन स्वास्थ्य को बढ़ावा देते हैं। तेज पत्ते में एंटीफंगल गुण पाए जाते हैं। इसमें मौजूद विटामिन-सी किसी भी प्रकार के इंफेक्शन और जलन से बचा सकते हैं। तेज पत्ते में लिनालूल नामक तत्व पाया जाता है। यह तनाव और चिंता को दूर करने में मदद करता है। साथ ही, इसमें पाए जाने वाले अन्य गुण अवसाद की संभावना को भी कम कर सकते हैं। इसमें मौजूद रुटिन और कैफिक एसिड दिल के फायदेमंद होते हैं। ये दोनों ही तत्व तेज पत्ते में पाए जाते हैं। ये शरीर में मौजूद खराब कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करते हैं। जिससे आप दिल से जुड़ी बीमारियों से बच सकते हैं। तेज पत्ते का इस्तेमाल आप बालों की ग्रोथ के लिए कर सकते हैं। यह झड़ते बालों की समस्या से राहत दिलाता है। इन पत्तों में मौजूद गुण डैंड्रफ से भी छुटकारा दिला सकते हैं। इसके लिए तेज पत्तों को पानी में डुबोकर थोड़ी देर के लिए रख दें। बाल धोने के बाद इस पानी को अपने स्कैल्प पर लगाएं।

पर्याप्त नींद और एक्सरसाइज से पा सकते हैं नशे की लत से आसानी से छुटकारा

नशे की लत से छुटकारा पाना मुश्किल हो सकता है, लेकिन सही तरीके और स्ट्रेटजी के साथ इसे छोड़ पाना पॉसिबल है। ट्रीटमेंट्स, सपोर्ट ग्रुप्स और डॉक्टर से कंसल्टेशन भी बहुत जरूरी है, लेकिन दो और चीज़ें हैं, जिनका इस एडिक्शन को दूर करने में बहुत बड़ा रोल होता है, वो है- पर्याप्त नींद और एक्सरसाइज। रोजाना की नींद पूरी कर और थोड़ी देर की फिजिकल एक्टिविटी नशे की लत से छुटकारा दिलाने में बहुत हद तक मददगार साबित हो सकती है। शरीर और दिमाग को ठीक करने और आपको रिचार्ज करने के लिए अच्छी नींद बहुत जरूरी है। नशीली दवाओं के सेवन से नींद डिस्टर्ब होती है। नींद की यह कमी से सेहत संबंधी परेशानियां शुरू हो सकती हैं।

नशीले पदार्थों का सेवन मस्तिष्क के न्यूरोकेमिकल संतुलन पर असर डालता है, जिससे सोचने-समझने की क्षमता पर असर पड़ता है। पर्याप्त नींद मस्तिष्क के फंक्शन को दुरुस्त रखती है। साथ ही फोकस और याददाश्त बढ़ाने में भी मदद करती है। नींद की कमी ड्रग्स या शराब की तलब बढ़ा सकती है। वहीं पर्याप्त नींद तलब की तीव्रता को कम करती है। नींद की कमी से मनोदशा में बदलाव, चिड़चिड़ापन और इमोशनल डिसबैलेंस देखने को मिलती है। वहीं नींद पूरी करने से फिजिकली और मेंटली दोनों ही तरीकों से स्वस्थ रहा जा सकता है। रोजाना एक ही समय पर सोने और सुबह जागने की कोशिश करें। ध्यान भटकाने वाली चीज़ों को बेडरूम से हटा दें, शोर कम करें और कमरे का माहौल शांत रखें, जिससे नींद अच्छी आएं। रिलैक्सेशन तकनीकों का अभ्यास करेंः सोने से पहले मन और शरीर को आराम देने के लिए सोने जाने से पहले थोड़ी देर मेडिटेशन करें। वैसे हल्की स्ट्रेचिंग भी काम आएगी। नियमित व्यायाम एक अच्छा विकल्प है, जो शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक सेहत की सुधार में सहायता करता है। व्यायाम एंडोर्फिन, डोपामाइन और सेरोटोनिन के प्रवाह को उत्तेजित करता है,जो न्यूरोट्रांसमीटर हैं और जो मूड को नियंत्रित करने और तनाव को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शारीरिक गतिविधियों में शामिल होना नशे की लत वाले व्यवहारों को बदलने का एक अच्छा ऑप्शन है। जिससे आप चीज़ों पर फोकस कर पाते हैं। नियमित व्यायाम कोर्टिसोल के स्तर को कम करता है। जिससे बेवजह का तनाव। नहीं होता। लाइट एक्टिविटीज से शुरुआत करें और जैसे-जैसे आपकी फिटनेस का स्तर सुधरता है, उसके बाद इसकी स्पीड बढ़ाएं। सबसे ज़रूरी है कि अपने शरीर को समझना। शुरू-शुरू में बॉडी पर बहुत ज्यादा प्रेशर न डालें। ऐसी शारीरिक गतिविधियां चुनें जिसमें आप एन्जॉय करें, फिर चाहे वह साइकिल चलाना हो, स्वीमिंग, डांस या फिर घूमना-फिरना। योगा या जिम क्लास ज्वॉइन करना भी एक अच्छा ऑप्शन हो सकता है।

तरबूज पर नमक छिड़क कर खाना फायदेमंद है या नुकसानदायक?

तरबूज पर नमक लगाकर खाने की आदत है तो इस आदत को छोड़ दें। ऐसा इसलिए क्योंकि नमक से तरबूज के पोषक तत्व शरीर में एब्जॉर्ब नहीं हो पाते हैं। तरबूज में मौजूद न्यूट्रिशन का ज्यादा से ज्यादा फायदा मिले, इसके लिए इसके स्वाद के साथ बहुत ज्यादा एक्सपेरिमेंट न करें। तरबूज खाने के साथ और उसके तुरंत बाद भी नमक या नमक वाली चीजें नहीं खाना है, इस बात का भी ध्यान रखें। कम मात्रा में नमक आमतौर पर सुरक्षित और फायदेमंद माना जाता है। कुछ लोगों के लिए नमक मिलाने से मिठास बढ़ जाती है और तरबूज का प्राकृतिक रस बाहर आ जाता है, जिससे यह और भी मज़ेदार लगने लगता है नमक के सेवन से सेहत पर बुरा असर भी पड़ सकता है, जैसे ब्लड प्रेशर बढ़ना और ह्रदय रोगों का खतरा इसलिए, तरबूज ही नहीं, किसी भी भोजन में नमक ऊपर से नमक डालकर खाने की आदत को बदल लें।।

दो माह बंद रहेगा महाकाल मंदिर
गर्भगृह में कैसे करेंगे भक्त जलाभिषेक?

भगवान शिव की भस्म आरती केवल उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर में होती है। यह आरती बेहद अलग ढंग से की जाती है। इस आरती को प्रातः सुबह के वक्त 4 बजे किया जाता है। यह आरती चिता की ताजी राख से होती है। हालाकि कुछ कारणों से अब इस आरती को चिता की राख से नहीं किया जा रहा । मृत्यु के बाद उनकी चिता की राख से भगवान शिव की पूजा की जाती थी.

भगवान शिव जितने सरल हैं उतने ही रहस्यमयी भी हैं। उनका रहन-सहन, खान-पान, पहनावा और वेश-भूषा अन्य देवताओं से एकदम अलग है। हिंदू शास्त्रों में जहां हर देवता के वस्त्रों और आभूषणों का वर्णन मिलता है वहीं भगवान शिव केवल हिरण की खाल और भस्म को ही धारण करते हैं। इस बात का साक्षी है मध्यप्रदेश स्थित धार्मिक स्थन उज्जैन में बना भगवान शिव का महाकालेश्वर मंदिर। यहां भगवान शिव के कई स्वरूपों की पूजा की जाती है मगर यहां शिव जी के अघोरी रूप को सबसे ज्यादा महत्व दिया जाता है। जिस तरह साधू और संतों के शरीर में भस्म लिपटी रहती है उसी तरह यहां पर भगवान शिव के शिवलिंग पर चिता की ताजी भस्म से आरती की जाती है और इसी से उनका श्रृंगार भी होता है। भगवान शिव की भस्म आरती केवल उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर में होती है। यह आरती बेहद अलग ढंग से की जाती है। इस आरती को प्रातः सुबह के वक्त 4 बजे किया जाता है। यह आरती चिता की ताजी राख से होती है। हालाकि कुछ कारणों से अब इस आरती को चिता की राख से नहीं किया जा रहा । मगर पहले इस आरती के लिए लोग अपने जीवनकाल में ही रजिस्ट्रेशन कराया करते थे। मृत्यु के बाद उनकी चिता की राख से भगवान शिव की पूजा की जाती थी। इस आरती को बंद कमरे में केवल मंदिर के पुजारी ही करते हैं। आरती के दौरान भगवान के कक्ष में लगे कैमरों में इस आरती की रिकॉर्डिंग होती रहती है और कक्ष के बाहर खड़े भक्त इस आरती को देखते रहते हैं। आरती के दौरान भगवान के शिवलिंग को पूरी तरह से भस्म से नहला दिया जाता है। बाद में शिवलिंग पर भगवान शिव का फेस बनाया जाता है और पट खुलते हैं। उज्जैन के श्री महाकालेश्वर भारत में बारह प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंगों में से एक हैं। महाकालेश्वर मंदिर की महिमा का वर्णन कई पुराणों में मिलता है। महाकाल मंदिर में श्रावण मास के दौरान दो माह गर्भगृह में प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। शिवपुराण में बताया गया है कि जब सती ने स्वंय को अग्नि में समर्पित कर दिया था, तो उनकी मृत्यु का संदेश मिलते ही भगवान शिव क्रोधित हो गए थे और अपना मानसिक संतुलन खो बैठे थे। इसके बाद वह माता सती के मृत शरीर को लेकर इधर-उधर घूमने लगे। जब भगवान शिव को श्रीहरी ने देखा तो उन्हें संसार की चिंता सताने लगी। हल निकालने के लिए उन्होंने माता सती के शरीर को अपने सुदर्शन चक्र से कई हिस्सों में बांट दिया था। यह हिस्से देश के कई स्थानों पर गिरे और पिंड बन गए। मगर शिव जी के हाथों में केवल माता के शव की भस्म रह गई। भक्तों को गणेश व कार्तिकेय मंडपम से ही भगवान महाकाल के दर्शन करने होंगे। प्रतिबंध के दौरान केवल अतिविशिष्ट को ही गर्भगृह में प्रवेश की अनुमति दी जाएगी। देशभर से आने वाले कांवड़ यात्रियों के लिए मंदिर समिति द्वारा जलाभिषेक की विशेष व्यवस्था की जाएगी। आम भक्त भी महाकाल का जलाभिषेक कर सकेंगे। इसके लिए समिति द्वारा जल पात्र लगाए जा रहे हैं। पंचांग के अनुसार 4 जुलाई से श्रावण मास की शुरुआत होने जा रही है। इस बार श्रावण मास की विशेष बात यह है कि जहां हर वर्ष सावन 30 दिनों का होता है वहीं इस बार सावन 59 दिनों का होगा। 19 वर्षों के बाद श्रावण अधिकमास के रूप में आ रहा है। इस बार पूरे आठ

सावन सोमवार का व्रत रखे जाएगें। श्रावण मास में जल अर्पण का महत्व- श्रावण मास में शिव को जल अर्पण करने का विशेष महत्व है। ऐसा माना जाता है कि सावन में शिवलिंग पर जल चढ़ाने से महादेव प्रसन्न होते हैं और भक्त की सभी इच्छाएं पूरी करते हैं। इसी कारण से भारी संख्या में कांवड़ यात्री व आम भक्त यहां पहुंचते हैं। उनके लिए बाहर से जल चढ़ाने की व्यवस्था की जाएगी। जानें गर्भगृह में प्रवेश के नियम-महाकालेश्वर मंदिर के गर्भगृह में प्रवेश करने वाले के लिए कुछ नियम तय किए गए हैं। जिनका पालन करना जरूरी है। यहां प्रवेश करने वाले महिलाओं के लिए साड़ी और पुरुषों के लिए धोती पहनना अनिवार्य है।

लाइफ पार्टनर के साथ जीना चाहते हैं खुशनुमा जिंदगी तो अपनाएं चाणक्य नीति के ये गुण

चाणक्य नीति चाणक्य द्वारा रचित एक नीति ग्रन्थ है। जिसमें उन्होंने ऐसी कई बातों का वर्णन किया है जो व्यक्ति के जीवन पर प्रभाव डालती हैं। व्यक्ति अपने जीवन को सुख-शांति के साथ बिता सके, इसके लिए चाणक्य नीति में कई टिप्स भी दिए गए हैं। लोगों के वैवाहिक जीवन में प्रेम बना रहे इसके लिए भी चाणक्य की नीति में कुछ अहम बातें बताई गई हैं। शादीशुदा जीवन में खुशियां बनाए रखने के लिए जो सबसे अहम चीज होती है वह है वफादारी। आज के इस समय में रिश्तों में इस गुण की कमी पाई जाती है। चाणक्य नीति के अनुसार, वैवाहिक जीवन में प्रेम बनाए रखने के लिए यह वैवाहिक जीवन में गुण बहुत ही जरूरी है। शादीशुदा जीवन में को मजबूत बनाए रखने के लिए जरूरी है कि पति पत्नी एक-दूसरे का सम्मान करें। क्योंकि हर व्यक्ति को अपना मान-सम्मान प्रिय है। इसलिए कभी भी किसी के सामने अपने जीवनसाथी का अपमान ना करें। इससे आपके रिश्ते पर बहुत ही बुरा असर पड़ता है। रिश्ता टूटने तक की भी नौबत आ सकती है। हर रिश्ते में भरोसा होना बहुत जरूरी है। शादीशुदा जीवन में प्रेम बनाए रखने के लिए पति-पत्नी को एक दूसरे का सम्मान करना चाहिए। शादीशुदा जीवन में इसकी अहमियत और भी बढ़ जाती है। भरोसे के बिना कोई भी शादीशुदा जीवन खुशी से नहीं चल सकता। आज के इस भागदौड़ भरे जीवन में जरूरी है कि आप अपने लाइफ पार्टनर को समय दें। आचार्य चाणक्य ने अपने नीति शास्त्र में कहा है कि समय देने से रिश्ते में मजबूती आती है। और साथ ही प्रेम भी बढ़ता है।

भगवान श्रीकृष्ण की ये बातें जरूर रखें याद

हर कोई अपने जीवन में सफल इंसान बनना चाहता है। इसके लिए लोग कठिन परिश्रम भी करते हैं। इस दौरान विषम परिस्थिति पैदा होने पर व्यक्ति मार्ग बदल लेते हैं। इसके चलते बहुत से लोगों को सफलता नहीं प्राप्त होती है। जानकारों की मानें तो प्रतिकूल परिस्थिति पैदा होने पर घबराना नहीं चाहिए, बल्कि परम पिता परमेश्वर को याद कर जीवन में आगे बढ़ना चाहिए। सनातन शास्त्र 'गीता' में भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं कि व्यक्ति को कर्मों के अनुरूप ही फल प्राप्त होता है। अतः सफलता पाने के लिए सतत प्रयास जरूरी है। भगवान श्रीकृष्ण द्वापर युग के समकालीन थे। वे दार्शनिक और निष्काम कर्मयोगी थे। भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं कि विषम परिस्थिति का सामना करने के लिए रणनीति जरूरी है। बिना रणनीति के युद्ध में जीत नहीं मिलती है। अतः किसी भी कार्य को करने के लिए रणनीति जरूर तैयार करें। अगर जीवन में विषम परिस्थिति पैदा होती है, तो रणनीति बनाकर सामना करें। सफलता अवश्य प्राप्त होगी। भगवान कहते हैं कि व्यक्ति व्यर्थ ही भविष्य की चिंता करता है। भविष्य तो व्यक्ति द्वारा वर्तमान समय में किए गए कर्मों के आधार पर तय होता है। अतः वर्तमान में अच्छा कर्म करें। अगर आप वर्तमान में बेहतर करते हैं, तो भविष्य अवश्य स्वर्णिम रहेगा। एक व्यक्ति अपने जीवन में तभी सफल हो पाता है। जब वह दूरदर्शी होता है। अतः व्यक्ति की सोच दूरदर्शी होनी चाहिए। ऐसे लोगों अपने जीवन में एक दिन जरूर सफल होते हैं।

भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं कि कार्य के प्रति समर्पण अनिवार्य है। व्यक्ति तभी अपने जीवन में सफल होता है। जब वह समर्पित भाव से अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर रहता है। अतः व्यक्ति को जीवन में हमेशा कर्मशील रहना चाहिए। भगवान श्रीकृष्ण अपने शिष्य अर्जुन से कहते हैं- हे पार्थ! युद्ध में जय और पराजय की चिंता के बिना युद्ध करो। यही तुम्हारा धर्म और कर्म है। व्यक्ति को जीवन में हार और जीत की परवाह किए बिना आगे बढ़ते रहना चाहिए। अगर हार मिल भी जाए तो घबराना नहीं चाहिए, बल्कि पुनः जीत के लिए प्रयास करना चाहिए। तब जाकर विजय अवश्य प्राप्त होती है।

हड्डियों को कमजोर बना रही हैं ये आदतें

दुनिया भर में भारी संख्या में ऐसे लोग हैं, जो सुबह काम की जल्दबाजी में घर से खाली पेट निकल जाते हैं या फिर एक कप कॉफी साथ रख लेते हैं। लेकिन शायद वो ये नहीं जानते कि जब हड्डियों की बात आती है, तो उन्हें हेल्दी बनाए रखने के लिए एक हेल्दी और बैलेंस्ड डाइट बेहद जरूरी है। इसके अलावा प्रोसेस्ड फूड आइटम्स और कुछ सॉफ्ट ड्रिंक्स के अधिक इस्तेमाल से हड्डियों में सूजन की समस्या हो सकती है। शरीर को भरपूर मात्रा में सूरज की रोशनी न मिले तो विटामिन डी की कमी हो सकती है, जिससे हड्डियां कमजोर हो सकती हैं। सूरज से विटामिन डी लेने के लिए बाहर समय बिताएं, खासकर सुबह की धूप लें। दोपहर की तेज धूप में सूरज की किरणें हानिकारक हो सकती हैं। वॉकिंग, रनिंग या फिर वेट लिफ्टिंग और स्ट्रेचिंग जैसी आदतें स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद हैं। स्मोकिंग हड्डियों के लिए जरूरी कैल्शियम और अन्य न्यूट्रिएंट्स को अवशोषित करने में बाधा डालता है। इसके अलावा अल्कोहल बोन रीमॉडेलिंग को भी प्रभावित कर सकता है, जिससे बोन डेंसिटी में कमी आ सकती है। राने तनाव से हड्डियों की डेंसिटी भी कम होने लगती है और फ्रैक्चर का खतरा बढ़ जाता है। कॉफी लवर्स को ये बात परेशान कर सकती है, लेकिन शरीर में ज्यादा कैफीन की मात्रा हड्डियों को नुकसान पहुंचा सकती है।

घर में ये तस्वीरें लगाने से चमक जाएगी फूटी किस्मत

लोग घर की सजावट के लिए कई तहर की तस्वीरें लगाते हैं। लेकिन वास्तु शास्त्र के नियमों को ध्यान में रखकर लगाई गई तस्वीर व्यक्ति को विशेष लाभ पहुंचाती है। आइए जानते हैं कि वह कौन-सी तस्वीरें हैं जिन्हे घर में लगाने से घर में सुख-समृद्धि का वास होता है।दौड़ते हुए घोड़े सकारात्मकता को दर्शाते हैं।

घर में पॉजिटिव एनर्जी बनाए रखने के लिए दौड़ते हुए घोड़ों की तस्वीर जरूर लगाएं। ध्यान रखें की तस्वीर में 7 घोड़े होने चाहिए। यह तस्वीर लगाने के लिए दक्षिण दिशा सबसे अच्छी होती है। हिंदू धर्म में मां लक्ष्मी को धन की देवी माना गया है। ऐसे में आर्थिक संपन्नता के लिए अपने घर की उत्तर दिशा में कुबेर या मां लक्ष्मी की तस्वीर लगानी चाहिए। तस्वीर ऐसी होनी चाहिए जिसमें मां लक्ष्मी बैठी हुई हो और उनके हाथों से धन वर्षा हो रही हो। इससे व्यक्ति को पैसों की तंगी का सामना नहीं करना पड़ता। वास्तु शास्त्र में माना गया है कि तैरती हुई मछलियां जीवंतता का प्रतीक हैं। मछलियों की तैरती हुई फोटो घर में लगाने से परिवार के सदस्यों को लम्बी उम्र का वरदान मिलता है।

गाय की तस्वीर उसके बछड़े के साथ लगाने से घर में सुख-समृद्धि आती है। घर में सूयोर्दय, पहाड़ और पानी की तस्वीर लगाना बेहद ही शुभ माना जाता है। वास्तुशास्त्र के अनुसार, उगते हुए सूरज यानी सूर्योदय की तस्वीर जीवन में नई आशा का संकेत है। इन्हें घर में लगाने से आप हमेशा ऊर्जावान महसूस करेंगे। वहीं बेडरूम में फूलों की तस्वीर लगाने से घर में चल रहे कलेशों से छुटकारा मिलता है। वास्तु शास्त्र का कहना है कि घर में सात घोड़े की पेंटिंग से तरक्की, शक्ति, साहस और वफादारी का प्रतीक है।

इसे घर में लगाने से पॉजिटिव एनर्जी का प्रवाह होता है और इसलिए जब भी घर या फिर ऑफिस में किसी तरह की परेशानी ज्यादा आने लगे तो सात घोड़ों की तस्वीर को लगाना शुभ माना गया है। वास्तु शास्त्र के मुताबिक अच्छा परिणाम पाने के लिए सात घोड़ों की तस्वीर सही दिशा में लगाना भी जरूरी है।

किसी भी हीरोइन की तुलना सीता मां से न करें कृति सेनन का पोस्ट देख यूजर्स का चढ़ा पारा

कृति सेनन इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'आदिपुरुष' की रिलीज को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में वह पहली बार साउथ स्टार प्रभास के अपोजिट मुख्य भूमिका में दिखाई देंगी। कृति सेनन फिल्म में माता सीता की भूमिका में नजर आने वाली हैं, तो वहीं प्रभास फिल्म में भगवान राम बने हैं। इस फिल्म की एडवांस बुकिंग जबरदस्त चल रही है। लेकिन हाल ही में कृति सेनन ने अपने इंस्टाग्राम पर अपने फिल्मी माता सीता के किरदार से जुड़ी एक पोस्ट साझा की, जहां उन्होंने पहली अपने 'जानकी' के किरदार की तस्वीर लगाई तो वहीं दूसरी तस्वीर उन्होंने अपनी मां की लगाई। इन तस्वीरों के साथ कृति ने ऐसा कैप्शन लिखा, जो लोगों को बिल्कुल भी रास नहीं आया और एक्ट्रेस को बुरी तरह से ट्रोलिंग झेलनी पड़ी। कृति सेनन ने हाल ही में अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर हाल ही में दो तस्वीरें शेयर की। पहली तस्वीर उनकी फिल्म 'आदिपुरुष' से उनके किरदार जानकी की है, तो वहीं दूसरी तस्वीर उनकी मां गीता की है। पहली तस्वीर में उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'सीता मां-मेरी जानकी' और दूसरी तस्वीर में उन्होंने लिखा, 'गीता मां-मेरी जान'। हालांकि, उनका ये अंदाज लोगों को पसंद नहीं आ रहा है। सोशल मीडिया पर यूजर्स का कहना है कि वह माता सीता से खुद की तुलना कर रही हैं। यूजर्स ने उनके इस पोस्ट पर कमेंट बॉक्स में खूब खरी खोटी सुनाई। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, प्लीज आप खुद की तुलना माता सीता से बिल्कुल न करें। माता सीता के किरदार में कृति सेनन का जब पहला लुक सामने आया था, तो लोगों ने खूब प्यार लुटाया था। हालांकि अब जब उन्होंने ये पोस्ट शेयर किया तो लोगों को ये तुलना बिल्कुल पसंद नहीं आई। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा पहले रामायण के पांच श्लोक बिना पढ़े सुना दो। अन्य यूजर ने लिखा, किसी भी हीरोइन की तुलना माता सीता से आप मत करिए, वह बहुत ही प्योर हैं। इसके अलावा एक अन्य यूजर ने लिखा आप या कोई भी माता सीता और राम का किरदार निभा लें और बड़ी-बड़ी फिल्में बना लें,लेकिन दीपिका चिखलिया और अरुण गोविल को कोई भी रिप्लेस नहीं कर सकता। प्रभास और कृति सेनन स्टारर फिल्म आदिपुरुष को लेकर फैंस में काफी उत्साह बना हुआ है। सोमवार को जहां आदिपुरुष की 25 हजार टिकट बिकी थी, तो वहीं मंगलवार को फिल्म की लगभग 39 हजार टिकट बिक चुकी हैं। अब तक हिंदी के थ्री-डी वर्जन के साथ आदिपुरुष ने 2.80 और वर्ल्डवाइड 3.65 करोड़ की टोटल कमाई कर ली है।

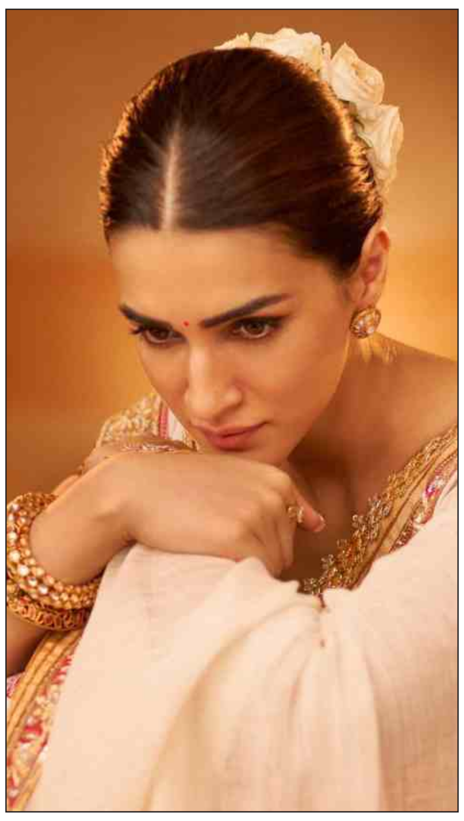

अभिषेक बच्चन ने 'कजरा रे' गाने पर नोरा फतेही संग लगाए ठुमके

इसी बीच एक बार फिर अभिषेक अपने इस गाने पर डांस करते नजर आए। सोशल मीडिया पर एक्टर का वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमे अभिषेक के साथ एक्ट्रेस नोरा फतेही भी इस गाने पर डांस करती नजर आ रही है। इस वीडियो को नोरा फतेही ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में शेयर किया है। इस वीडियो में नोरा और अभिषेक के साथ कई लोग भी इस गाने पर झूमते नजर आ रहे हैं। इस वीडियो को शेयर करते हुए नोरा ने लिखा, खत्म हुआ। इस वीडियो में दोनों ब्लैक आउटफिट में ट्विनिंग करते दिखाई दे रहे है। नोरा ने ब्लैक बैकलेस ड्रेस पहनी हुई है, जिसमें वह काफी ग्लैमरस लग रही हैं। वहीं अभिषेक बच्चन भी ऑल ब्लैक आउटफिट में नजर आ रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो अभिषेक बच्चन और नोरा फतेही रेमो डिसूजा के एक डांस प्रोजेक्ट में साथ नजर आने वाले है। कहा जा रहा है कि उसी की शूटिंग खत्म होने की पार्टी रखी गई थी। हाल ही में रेमो डिसूजा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट भी किया था। इस पोस्ट को शेयर

करते हुए रेमो ने बताया की प्रोजेक्ट को पूरा कर लिया गया है। उन्होंने पोस्ट करते हुए कैप्शन में लिखा रैपअप, मेरी टीम को धन्यवाद। अभिषेक बच्चन द बिग बुल के अगले सीजन की तैयारी में लगे हैं। तो वहीं, नोरा फतेही जल्द ही साजिद खान की फिल्म 100में जॉन अब्राहम के साथ दिखाई देंगी। इस फिल्म में रितेश देशमुख और शहनाज गिल भी नजर आएंगे। इसके अलावा नोरा फिल्म मडगांव एक्सप्रेस में भी नजर आएंगी।

पहली बार सिर से पांव तक ढकी नजर आई उर्फी जावेद

अपने अतरंगी पहनावे की वजह से हमेशा सुर्खियों का हिस्सा बने रहने वालीं उर्फी जावेद ने इस बार कुछ ऐसा कर दिया है, जिसे देखने के बाद लोगों का माथा चकरा गया। कभी किवी वाले फल से तो कभी सिर्फ हाथों से अपने शरीर के ऊपरी हिस्से को ढंकने वाली उर्फी ने इस बार को हद ही कर दी। उर्फी, जो कभी कुछ भी पहनें कहीं भी पहुंच जाती हैं, उन्होंने इस बार सिर से लेकर पांव तक खुद को ऐसा ढका, कि उनका चेहरा भी ठीक से नहीं दिख रहा। हाल ही में उर्फी का एक वीडियो सामने आया, जिसमें उन्होंने अपने बदन को पिज्जा स्लाइस से ढका था। मगर शायद उर्फी के लिए इतना काफी नहीं था। इसके बाद वह अजीब तरह के कपड़े पहनकर बाजार में पिज्जा ही बांटने चली आईं। उर्फी को इस लुक में देखकर न सिर्फ वहां मौजूद लोगों के होश उड़ गए हैं, बल्कि वीडियो पर कमेंट करने वाले भी हैरान हैं कि जो लड़की कम से कम कपड़ों में नजर आती है, वह अचानक से इतनी ढकी हुई कैसे कि चेहरा भी नहीं दिख रहा। मुंबई से उर्फी जावेद का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें देखा जा सकता है कि उन्होंने ब्लू कलर की मिडी पहनी है। इस मिडी की खास बात यह है कि उनके हाथ तो ढके ही हैं, साथ ही उनका चेहरा भी ढका हुआ है। फेस पर कुछ दिख रहा है, तो वह है सिर्फ उनकी आंखें और माथा। इस ड्रेस को पहनकर उर्फी ने पैपराजी को पिज्जा बांटा है। उर्फी का ये भेष देखकर फैंस का माथा चकरा गया है। एक यूजर ने यह लिख दिया कि उर्फी ने जो ड्रेस पहनी है, वह कोरोना ड्रेस है। एक यूजर ने कमेंट सेक्शन में लिखा पहले पिज्जा की ड्रेस बना लिया अब वही खिला रही...खाने की चीज को भी कपड़े डाल दिया है कुछ तो शर्म करो बहन... इतना भी फैशन का कोई पागल नहीं है...बाकी एक्ट्रेस भी तो हैं... कपड़े अलग डालने से पहचान नहीं बनती अच्छे काम करने से बनती है। बस करो बहन।

असुरक्षित एक्टर्स ने मुझे फिल्मों से बाहर करवाया

अरशद वारसी बॉलीवुड में अपनी कॉमिक टाइमिंग के लिए जाने जाते हैं। एक्टर ने मुन्ना भाई एमबीबीएस, जॉली एलएलबी और गोलमाल समेत कई फिल्मों में उम्दा एक्टिंग की है। अब सालों बाद अरशद वारसी ने खुलासा किया कि कई बार उन्हें फिल्मों से बाहर कर दिया गया और इसके पीछे की वजह लीडिंग एकटर्स थे, क्योंकि उन्हें डर था कि कहीं अरशद सारी लाइमलाइट ना चुरा लें। अरशद वारसी ने आरजे सिद्धार्थ कनन के साथ बाततीच में ये चौका देने वाला खुलासा किया है। हालांकि, अरशद ने कई एक्टर्स की तारीफ भी की। जिन्होंने हमेशा उन्हें आगे बढ़ने के लिए सपोर्ट किया। अरशद वारसी ने संजय दत्त की तारीफ की और बताया कि उनकी वजह से ही उन्होंने मुन्नाभाई एमबीबीएस में काम किया था। एक्टर ने कहा असल में मुन्नाभाई एमबीबीएस में मेरे काम करने के पीछे की एक वजह संजू थे। वो इतने सुरक्षित एक्टर हैं कि मुझे पता था कि वो मुझे अपना काम करने देंगे। अरशद वारसी ने इंटरव्यू में ये भी खुलासा किया कि वो मुन्नाभाई एमबीबीएस में सर्किट का किरदार निभाने के लिए पहले शंका में थे। जबकि फिल्म की हर एक बात उन्हें पसंद थी और वो राजकुमार हिरानी के साथ उनकी पहली डायरेक्टोरियल डेब्यू फिल्म में काम भी करना चाहती थे। अरशद को लगा कि फिल्म हिट होने पर भी उन्हें नोटिस नहीं किया जाएगा, क्योंकि वो बस एक गुंडे का सपोर्टिंग रोल निभाएंगे। हालांकि, इतनी अशंकाओं के बाद भी अरशद ने राजुकमार हिरानी और प्रोड्यूसर विधू विनोद चोपड़ा से बात की और मनाया

कि वो उन्हें असफलता को एंजॉय करने दें और सर्किट का किरदर अरशद को अपने हिसाब से निभाने दें। अरशद ने ये भी बताया कि पहले सर्किट का रोल मकरंद देशपांडे को ऑफर हुआ था और उन्होंने ठुकरा दिया था। हालांकि इस बात की अरशद को खुशी हैं, क्योंकि सर्किट का किरदार उन्हें सफलता की नई ऊंचाइयों पर ले गया।

तीन साल बाद कहां पहुंचा सुशांत की मौत का मामला अब क्या कर रही है सीबीआई ?

14 जून साल 2020 और दोपहर का दिन जब टीवी पर खबर आई, बॉलीवुड अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत ने आत्महत्या कर ली। एक पल को लोगों को लगा था कि शायद न्यूज चैनल वालों से कोई गलती हो गई है। जो उन्होंने एक्टर के निधन की खबर दिखाई, लेकिन एक-एक कर जैसे-जैसे हर चैनल ने इस खबर को फ्लैश किया तो इस खबर ने पूरे देश और फिल्म इंडस्ट्री को हिलाकर रख दिया था। लोगों को इस बात पर यकीन कर पाना मुश्किल हो गया था। सुशांत सिंह राजपूत की मौत को पूरे तीन साल बीत गए हैं। 14 जून 2023 को सुशांत की तीसरी बरसी है। इन तीन सालों में शायद ही कोई ऐसा दिन हो, जब एक्टर के चाहने वालों ने उन्हें याद ना किया हो। एक्टर के मुंबई वाले अपार्टमेंट में उनका शव पंखे से लटका मिला था। शुरुआत में उनकी मौत को सुसाइड माना गया था, लेकिन एक्टर ने पिता केके सिंह इसे मर्डर बताया था और एफआईआर भी दर्ज करवाई थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सिद्धार्थ पिठानी ही वह शख्स थे जिन्होंने सबसे पहले सुशांत का शव देखा था। वह सुशांत के दोस्त और फ्लैट पार्टनर थे। इस केस में एनसीबी ने भी जांच मामले में गिरफ्तार किया था। एक्टर के पिता ने उनकी गर्लफ्रेंड और बॉलीवुड एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती पर केस दर्ज करवाया था। जैसे-जैसे इस केस की जांच आगे बढ़ी तो नए-नए ऐंगल समाने आए। जांच के दौरान एक ड्रग्स चैट का भी खुलासा हुआ, जिसमे रिया के साथ उनके भाई शौविक पर भी ड्रग्स देने का आरोप लगा और उन्हें भी कई महीनों तक जेल में सजा

काटी।इसके अलावा रिया पर सुशांत के पैसों की हेराफेरी करने के आरोप लगे थे। हालांकि बाद उन्हें रिहा कर दिया गया था। सुशांत सिंह राजपूत के पिता और परिवार वालों ने रिया को उनकी मौत का जिम्मेदार बताया था। उनका कहना था कि उनका बेटा सुशांत इस दुनिया से चला गया।

करण देओल ने होने वाली पत्नी दिशा संग काटा केक

सनी देओल और धरम पाजी के पोते एक्टर करण देओल शादी के बंधन में बंधने जा रहे हैं। बीते महीने एक्टर की सगाई को लेकर खबर सामने आई थी। वहीं सोमवार को करण और द्रिशा आचार्य के प्री-वेडिंग फंक्शन की शुरुआत हुई। सोशल मीडिया पर सेलिब्रेशन की तस्वीरें और वीडियो वायरल हो रहे हैं। इसी बीच कपल का इनसाइड वीडियो सामने आया है, जिसमे दोनों केक काटते नजर आ रहे हैं। बीती रात मुंबई में करण देओल के लिए सनी देओल ने प्री वेडिंग पार्टी रखी थी, जिसमें पूरा देओल परिवार शामिल हुआ। पार्टी में सब ने जमकर मस्ती की। प्री-वेडिंग फंक्शन में करण देओल और द्रिशा ने केक काटा। इस दौरान दोनों ने एक दूसरे को केक भी खिलाया। इस दौरान द्रिशा गोल्डन कलर की साड़ी में नजर आई। तो वहीं करण देओल ब्लू कलर के कुर्ते-पजामे में नजर आए। करण देओल अपनी चाइल्डहुड फ्रेंड द्रिशा अचार्या से शादी करने जा रहे हैं। रिपोर्ट्स की मानें तो द्रिशा और करण काफी वक्त से एक दूसरे को डेट कर रहे हैं। द्रिशा मशहूर दिग्गज फिल्मकार बिमल रॉय की नातिन की बेटी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक 18 जून को द्रिशा और करण की शादी होगी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक करण देओल की शादी के कार्यक्रम 16 से 18 जून तक होंगे, जिसकी तैयारियां जोरों-शोरों से हो रही हैं । जुहू के बंगले पर सारी अरेंजमेंट्स में पूरा परिवार जुटा

हुआ है। इसी बीच पार्टी का एक और वीडियो सामने आया है, जिसमें सनी देओल डांस करते नजर आ रहे हैं। इस दौरान सनी मोरवनी बनके मोरनी बनके गाने पर डांस करते दिखाई दे रहे हैं।

'द केरल स्टोरी' फेम अदा शर्मा के हाथ लगा इंटरनेशनल प्रोजेक्ट

बॉलीवुड एक्ट्रेस अदा शर्मा इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'द केरल स्टोरी' के सक्सेस को भुना रही हैं। इसी बीच अदा ने अपने फैंस को एक और बड़ी खुशखबरी सुनाई है। एक्ट्रेस के हाथ इंटरनेशनल प्रोजेक्ट लग गया है, जिसमें वह सुपरहीरो की भूमिका निभाकर लोगों का दिल जीतेंगी। अदा ने प्रोजेक्ट की पुष्टि करते हुए अपनी खुशी जाहिर की है। अदा शर्मा ने डिटेल्स को छिपाए रख प्रोजेक्ट की पुष्टि करते हुए कहा है, मुझे फीमेल सुपरहीरो हमेशा से ही बेहद कूल लगी हैं। मैं अभी बस इतना ही कह सकती हूं कि हां मैं ऐसी एक भूमिका निभाने जा रही हूं। जल्द ही मैं इसके बारे में और डिटेल साझा करूंगी। अदा शर्मा ने कहा, मुझे अलग-अलग जॉनर, अलग-अलग तरह की भूमिकाएं आजमाना पसंद है, और मैं खुशकिस्मत हूं कि लोग मुझे अलग-अलग किरदार ऑफर कर रहे हैं। द केरल स्टोरी के बाद मैंने सोचा कि यह बहुत अलग होगा। मैं किसी प्रोजेक्ट के बारे में तभी बात करना पसंद करती हूं, जब मैं उसका ट्रेलर लेकर आती हूं। तब तक मैं थोड़ी अंधविश्वासी हूं, इसलिए मैं सही समय पर इसके बारे में ज्यादा जानकारी साझा करूंगी। अदा शर्मा स्टारर फिल्म द केरल स्टोरी की बात करें तो बॉक्स

ऑफिस पर इसकी कमाई अब भी जारी है। सुदीप्तो सेन के निर्देशन में बनी इस मूवी के जल्द 250 करोड़ रुपये के क्लब में शामिल होने की उम्मीद है। वहीं, इस मूवी ने अदा शर्मा के लिए अवसर के रास्ते खोल दिए हैं। अदा शर्मा के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह जल्द ही विद्युत जामवाल के साथ फिल्म कमांडो की चौथी किस्त कमांडो 4 में नजर आएंगी। इसके अलावा एक्ट्रेस को विशाल पंड्या के डायरेक्शन में बनने वाली फिल्म द गेम ऑफ गिरगिट में देखा जाएगा, जिसमें उनके अपोजिट एक्टर श्रेयस तलपड़े होंगे। द गेम ऑफ गिरगिट में अदा शर्मा एक पुलिस ऑफिसर की भूमिका में देखी जाएंगी।

पर्पल कलर में सजी साउथ कोरिया की राजधानी

साउथ कोरिया के मशहूर म्यूजिक बैंड बीटीएस को आखिर कौन नहीं जानता है। बीटीएस बैंड का दुनियाभर में क्रेज है। लोग सिर्फ बीटीएस बैंड के गाने नहीं, बल्कि इसके मेंबर्स के डांस और स्टाइल के भी दीवाने हैं। आज इस बैंड ने पूरे 10 साल पूरे कर लिए हैं। दुनियाभर की बीटीएस आर्मी इस खास पल को सेलिब्रेट कर रही है। साउथ कोरिया में भी जश्न मनाया जा रहा है। बीटीएस की 10वीं एनिवर्सरी पर साउथ कोरिया की राजधानी सियॉल पर्पल रंग में रंग गया है। पूरे शहर को पर्पल लाइट्स से सजा दिया गया है। लोटे वर्ल्ड टावर से ब्रिज, नामसन सियॉल टावर, सियॉल सिटी हॉल तक सभी चीजों को पर्पल कलर में सजाया गया है। 13 जून 2013 को बीटीएस स्टार्स ने अपना डेब्यू म्यूजिक एल्बम 'टेक टू' लॉन्च किया था, जो हिट साबित हुआ था। आज उनके डेब्यू को 10 साल हो गए हैं। बीटीएस स्टार्स ने सोशल मीडिया पर इस दिन का जश्न मनाया है और अपनी आर्मी के लिए पोस्ट शेयर किए हैं। वहीं के-पॉप स्टार वी ने बीटीएस मेंबर्स के साथ अपने अनदेखे वीडियोज शेयर किए हैं। पार्क में वर्क आउट करने से लेकर खाना बनाने तक, वीडियो में बीटीएस स्टार्स की मस्ती खूब पसंद की जा रही है। साउथ कोरियन मिलिटरी में अनिवार्य सेवा दे रहे जे-हॉप ने भी आर्मी के लिए अपना ढेर सारा प्यार भेजा है।

मीरा भायंदर महानगर पालिका आयुक्त एवं भ्रष्ट अधिकारी साबित हो रहे गाँधी के तीन बन्दर !

नमक की सरकारी जमीन हड़पने वाले इरफान पठान पर एमआरटीपी के तहत गुना दाखल करें ?

भूमाफिया इरफान पठान

भायंदर पश्चिम, गणेश देवल नगर शिमला गली के अंतिम छोर पर इरफान पठान ने नमक की जगह को कब्जा करके अवैध रूम बनाई जिसे 2 बार तोड़ा गया फिर तीसरी बार बनाकर खड़ी की गई रूम की शिकायत कई लोगों ने की नमक विभाग के वरिष्ठ अधिकारी ने आयुक्त को रूम तोड़ने के लिए पत्र लिखा और एमआरटीपी के तहत गुनाह दाखल करने के लिए प्रभाग अधिकारी को भी पत्र लिखा है शीघ्र ही सरकारी जमीन हड़पने वाला इरफान पठान पर एमआरटीपी गुना दाखल होगा. गणेश देवल नगर की जनता इरफान पठान पर कार्रवाई शीघ्र हो देखना चाहती है, मीरा भाईंदर महानगरपालिका के आयुक्त दिलीप ढोले द्वारा आदेशित एमआरटीपी के तहत कार्रवाई के लिए सबंधित अधिकारी को देंगे ऐसी चर्चा जनता में जोरों पर है.

जय अंबे नगर में मन्नान बेकरी के सामने भूमाफिया अशोक ठाकुर द्वारा पर किया गया अवैध निर्माण !

भायंदर पश्चिम, जय अंबे नगर-1 प्रभाग क्रमाक-2 में बेकरी के सामने कलेक्टर लैंड पर भूमाफिया एवं ठेकेदार अशोक ठाकुर द्वारा दर्जनों दो मंजिला का अवैध निर्माण किया गया. जिसकी शिकायत संबंधित प्रभाग अधिकारी संजय दोंदे को दी गयी थी. ज्ञात हो कि उक्त जय अंबे नगर कलेक्टर की जमीन के अधीन है. फिर भी कलेक्टर लैंड पर कई हजार फुट का अवैध निर्माण मन्नान की बेकरी के रूप में की गयी. मगर मनपा अधिकारी द्वारा ढाक के तीन पात की तरह जस के तस कुंभकर्णी नींद में सोये हुए हैं. मीरा भायंदर मनपा आयुक्त से स्थानीय जनता आशा करती है कि उक्त अवैध दो मंजिला इमारत का अवैध निर्माण हटाकर कलेक्टर लैंड को खाली कराकर भूमाफिया पर एमआरटीपी एक्ट के तहत कानूनी कार्रवाई की जाये. क्योंकि जिस तरह का घटिया किस्म का मटेरियल से उक्त अवैध निर्माण किया गया है यह कभी भी धोखादायक साबित हो सकती है, स्थानीय जनता द्वारा अपने निवेदन में पत्रकार को बताया कि उक्त अवैध निर्माण पर जल्द से जल्द तोड़क कार्रवाई की जाये अन्यथा स्थानीय जनता तीव्र आंदोलन करेगी और इसकी जिम्मेदार मनपा आयुक्त और मनपा अधिकारी होंगे.

पढ़ें अगले अंक में
प्रभाग क्रमांक-3 शिवशक्ति नगर में भूमाफिया एवं ठेकेदार राजा ठाकुर द्वारा दर्जनों अवैध निर्माण की दास्तान. अवैध निर्माण का कौन है संरक्षक ?
भ्रष्ट मनपा अभियंता योगेश क्यों बचा रहा है अवैध निर्माण ?

भूमाफिया व ठेकेदार एवं पूर्व नगरसेवक द्वारा रिपेयरिंग अनुमति पर पक्की दिवाल व कंक्रीट सीमेंट से स्लेब का अवैध निर्माण करने पर पत्रकारो व समजसेवको द्वारा शिकायत के बाद भी नही रेंगता भृष्ठ प्रभाग अधिकारी?

पुर्व मे दो बार तोड़क कार्यवाई के बाद प्रभाग मनपा अधिकारी ने पत्रे वाली बाउंड्री वाल को रिपेयरिंग अनुमति कैसे दी?

अवैध निर्माण को संरक्षणकर्ता भ्रष्ट रिश्वतखोर मीरा भायंदर मनपा अधिकारी स्वप्निल सावंत

मीरा रोड पूर्व। पश्चिमी उपनगर में खाली पड़े जमीनों को हड़पने के लिए अब भू-माफिया नये नये हथकंडे अपनाने लगे हैं। इन भू-माफियाओं की नजर अब उन खाली पड़े जमीनों पर है, जहां अब वे फर्जी कागजात बनवाकर स्वयंभू घोषित कर उक्त जमीनों को हड़पने में लगे हैं। इसी तरह का एक मामला मीरा रोड पूर्व प्लेटफार्म नंबर 04 पर दक्षिण साइड मे मीरा भायंदर नगर पालिका द्वारा संचालित सुलभ शौचालय के सामने रेलवे की जमीन को फ़र्ज़ी कागजात बनाकर भूमाफिया व पूर्व नगरसेवक द्वारा 3.ह01 के दर्ज़न भर गाले का अवैध निर्माण मिलावटी भवन सामग्री के साथ बड़े पैमाने पर किया जा रहा है। जो कि भविष्य में कभी भी धोखा दायक साबित हो सकता है, ज्ञात हो कि मीरा भायंदर मनपा प्रभाग 05 के अलावा भी सभी प्रभागो में अवैध निर्माण की सुनामी आ गयी है.? और भूमाफिया शासन प्रशासन को खुलेआम चुनौती देते हुए अवैध निर्माण को अंजाम दे रहे हैं, सच तो यह है कि भृष्ठ प्रभाग अधिकारियों एवं एवं मनपा अभियंता ही भूमाफियाओं से मिलकर अवैध बांधकाम की ठेकेदारी करातें है? लेकिन भृष्ट अधिकारियों के आशीर्वाद से अवैध निर्माण के ठेकेदार हर गली में है? वही अपने आप को ईमानदार बताने वाले भृष्ठ प्रभाग अधिकारी स्वप्निल सावंत एक इतिहास भी भृष्टाचार मे संलिप्तता दर्शाता है। क्योंकि पत्रकारो व समाजसेवको की शिकायतो के बावजूद भी अतिक्रमण हटाने में कितनी दिलचस्पी दिखाई नहीं पड़ती। वही एक कहावत जैसी है

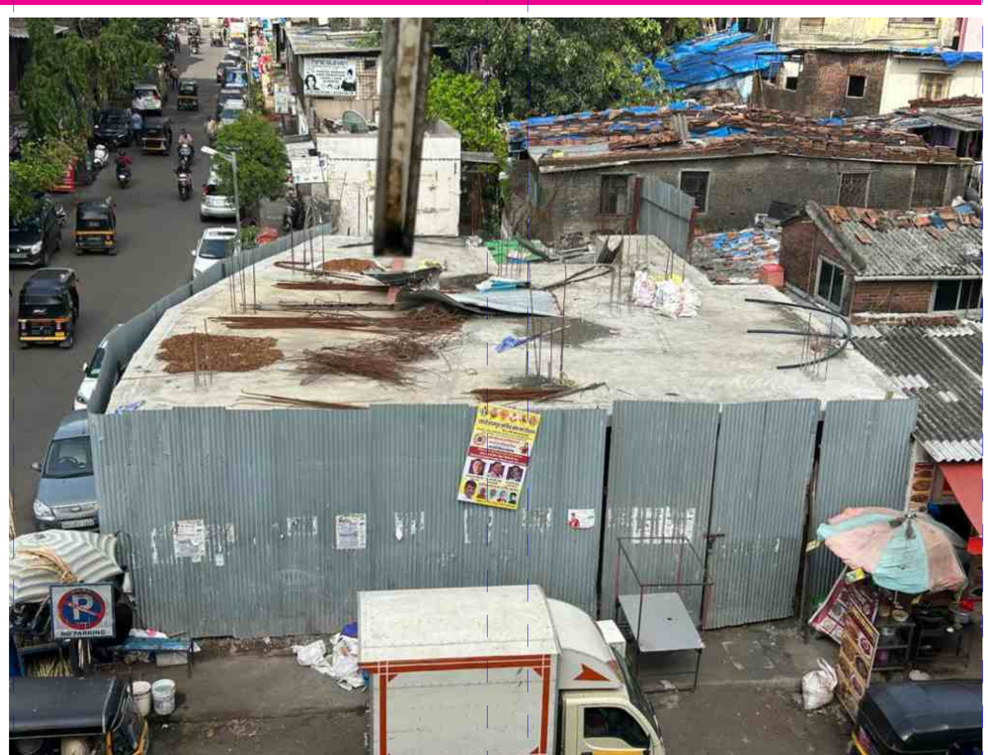

गांधी के तीन बंदर - न देखने वाला, न सुनने वाला, न बोलने वाला चरितात्रार्थ होने वाले मनपा आयुक्त जी जरा आँख खोलिये और देखिये आपके प्रभाग आधिकारी क्या कर रहे है? अभी वक्त है.? अब देखना है कि खबर छपने के बाद मनपा आयुक्त दिलीप धोले, उपायुक्त अतिक्रमण व निष्कासन, प्रभाग आधिकारी या अभियंता अतिक्रमण विभाग या कागजी घोड़ा दौड़ाने वाला भृष्ट अभियंता द्वारा भ्रष्ठ ठेकेदार व पूर्व नगरसेवक पर क्या कार्रवाई करता हैं? या इसको भी न्यायालय का स्थगन आदेश आने तक भष्मासुर बनकर भ्रष्टाचार करता है.?

जय अंबे नगर में मन्नान बेकरी का हुआ अवैध निर्माण !

भायंदर पश्चिम, जय अंबे नगर-1 प्रभाग क्रमाक-2 में बेकरी का अवैध निर्माण भूमाफिया एवं ठेकेदार राधेश्याम चौरसिया द्वारा किया गया जिसकी शिकायत संबंधित प्रभाग अधिकारी संजय दोंदे को दी गयी थी. ज्ञात हो कि उक्त जय अंबे नगर कलेक्टर की जमीन के अधीन है. फिर भी कलेक्टर लैंड पर कई हजार फुट का अवैध निर्माण मन्नान की बेकरी के रूप में की गयी. मगर मनपा अधिकारी द्वारा ढाक के तीन पात की तरह जस के तस कुंभकर्णी नींद में सोये हुए हैं. मीरा भायंदर मनपा आयुक्त से स्थानीय जनता आशा करती है कि उक्त अवैध बेकरी का अवैध निर्माण हटाकर कलेक्टर लैंड को खाली कराकर होने वाले प्रदूषण को रोका जाय एवं भूमाफिया और बेकरी मालिक पर एमआरटीपी एक्ट के तहत कानूनी कार्रवाई की जाये.

मन्नान बेकरी में अवैध निर्माण के शुरूआत की फोटो

मन्नान बेकरी के अवैध निर्माण के अंदर की फोटो